मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 250
रविवार, 29 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

विपक्ष पश्चिम एशिया संकट पर राजनीति न करें, देश माफ नहीं करेगा: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 28 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पश्चिमी एशिया में एक महीने से युद्ध जारी है और भारत देशवासियों के भरोसे के साथ इस संकट का पूरी शक्ति से मुकाबला कर रहा है। मोदी ने वैश्विक संकट की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा, मैं प्रदेश व देश के सभी राजनीतिक दलों से आग्रह पूर्वक कहना चाहता हूं कि इस प्रकार के संकट से ऐसी बातें करने से बचें, जो देश के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा, जो भारतीयों और भारत के हक में है, वही भारत सरकार की नीति और रणनीति हैं। राजनीति के लिए गलत बयानबाजी करने वाले राजनीतिक बहस में कुछ नंबर पाएंगे लेकिन देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को देश की जनता कभी माफ नहीं करती।

प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 11,200 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण समेत कार्गो हब का उद्घाटन करने के बाद जेवर में एक समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आज पूरा विश्व चिंतित हैं, पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध जारी है। युद्ध की वजह से कई सारे देशों में खाने-पीने के सामान, डीजल, खाद का संकट सामने आया है। मोदी ने कहा, हर देश इस संकट का सामना करने के लिए कुछ न कुछ प्रयास कर रहा है लेकिन भारत देशवासियों की ताकत के भरोसे इस संकट का पूरी शक्ति से मुकाबला कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में कच्चे तेल व गैस प्रभावित देशों से मंगाता है

इसलिए सरकार हर वह कदम उठा रही है जिससे सामान्य परिवारों, किसान भाई-बहनों पर इस संकट का बोझ न पड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा, विकसित भारत बनाने के लिए सबका प्रयास बहुत जरूरी है। यह आवश्यक है कि 140 करोड़ देशवासी कड़े से कड़ा परिश्रम करें और एकजुट होकर सामना करें। अभी जो युद्ध जारी है, उससे उपजे संकटों का सामना कैसे करना है, इसके बारे में मैंने संसद में भी बताया है। मेरी कल (शुक्रवार को) सभी मुख्यमंत्रियों से लंबी और सकारात्मक चर्चा हुई है। मोदी ने कहा, आज जनता से फिर से कहूंगा कि हमें शांत मन से, धैर्य के साथ, एकजुटता के साथ मिलजुलकर इस संकट का सामना करना है। यह पूरे विश्व में परेशानी करने वाला संकट है और हमें अपने देश की सबसे ज्यादा चिंता करनी है।

यही हम भारतीयों की सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री ने राजनीतिक दलों को आगाह करने के साथ-साथ कहा कि कोरोना के संकट में कुछ लोगों ने वैक्सीन को लेकर झूठ बोला, अफवाहें फैलाई ताकि सरकार का काम कठिन हो, देश को नुकसान हो लेकिन परिणाम क्या हुआ।

मोदी ने कहा, जनता ने चुनाव के दौरान ऐसी राजनीति को नकार दिया। मुझे पूरा भरोसा है कि देश के सभी राजनीतिक दल इससे सबक सीखेंगे और देश को ताकत देंगे।

ईरान का दुबई में अमेरिकी ठिकानों पर हमला, 500 अमेरिकी सैनिकों को बनाया निशाना

ईरान, 28 मार्च। ईरान ने दावा किया है कि उसने दुबई में मौजूद अमेरिकी सेना के दो छिपे ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। यह दावा ईरान की अर्ध-सरकारी एजेंसी Fars News Agency की रिपोर्ट में किया गया है। ईरानी सैन्य मुख्यालय के प्रवक्ता के अनुसार, इन ठिकानों पर करीब 500 अमेरिकी सैनिक मौजूद थे, जिनमें से 400 एक स्थान पर और 100 दूसरे स्थान पर थे।

उनका दावा है कि IRGC ने इन ठिकानों की पहचान कर सटीक हमले किए और भारी नुकसान पहुंचाया। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने यह भी कहा कि अमेरिकी सैनिक क्षेत्र में पहले किए गए हमलों के बाद इन स्थानों पर शिफ्ट हुए थे। बयान में अमेरिका और Donald Trump को चेतावनी देते हुए कहा गया कि यह क्षेत्र अमेरिकी सैनिकों के लिए कब्रगाह बन सकता है। मिडिल ईस्ट

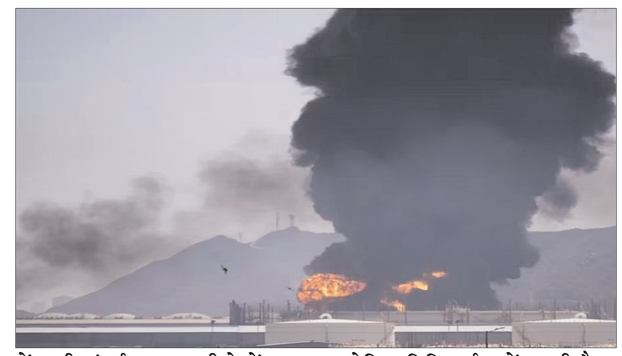

में जारी संघर्ष अब खाड़ी देशों तक फैलता दिख रहा है।

हाल के हफ्तों में वआए और सऊदी अरब में मिसाइल और ड्रोन हमलों की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दुबई में हमले की पुष्टि होती है, तो यह युद्ध के और व्यापक होने का संकेत होगा और खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति और गंभीर हो सकती है।

इसी बीच, रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। United States Department of Defense 82ad Airborne Division के सैनिक भेजने पर विचार कर रहा है। ईरान के महत्वपूर्ण तेल केंद्र Kharg Island को लेकर भी संभावित सैन्य ऑपरेशन की चर्चा है। खुफिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने इस इलाके में माइंस और अतिरिक्त सैन्य तैनाती शुरू कर दी है।

देश पहले, राजनीति बाद में : शशि थरूर

नई दिल्ली, 28 मार्च। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच Shashi Tharoor ने देशहित को सर्वोपरि बताते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब बात राष्ट्र की हो, तो सभी राजनीतिक दलों और सरकारों को मतभेद भुलाकर एकजुट होना चाहिए।

कांग्रेस सांसद Shashi Tharoor ने प्रधानमंत्री Narendra Modi द्वारा पश्चिम एशिया के हालात पर मुख्यमंत्रियों के साथ की गई बैठक को सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बेहद जरूरी है, ताकि देश किसी भी वैश्विक संकट का प्रभावी तरीके से सामना कर सके।

कोच्चि में बातचीत के दौरान थरूर ने साफ कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन राष्ट्रीय हितों के मामलों में सभी को एक साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने

यह भी कहा कि राज्यों को केंद्र के साथ सहयोग करना चाहिए और केंद्र को भी राज्यों के साथ सम्मानजनक संबंध बनाए रखने चाहिए।

थरूर ने केंद्र-राज्य संबंधों को लेकर कोऑपरेटिव फेडरलिज्म की जरूरत पर बल दिया। उनके मुताबिक, यह ऐसा मॉडल होना चाहिए जहां दोनों पक्ष अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए मिलकर काम करें और एक-दूसरे का सम्मान करें। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संवाद बनाए रखने की दिशा में अच्छा कदम बताया। थरूर ने कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात को देखते हुए भारत को दुनिया के प्रमुख देशों के साथ लगातार संपर्क में रहना चाहिए।

हाल ही में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री Narendra Modi ने राज्यों के साथ बैठक कर संभावित प्रभावों पर चर्चा की थी। इस संकट का असर ऊर्जा बाजार और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है, जिसे लेकर भारत सतर्क नजर आ रहा है।

बीजेपी सत्ता में आती है, तो बुलडोजर चलाकर सब कुछ तबाह कर देगी: ममता बनर्जी

कोलकता, 28 मार्च। ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके सभी अधिकार और शक्तियां छीन ली गई हैं। मैं चुनी हुई मुख्यमंत्री हूं, लेकिन उन्होंने मेरी सारी शक्तियां छीन ली हैं। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के रघुनाथगढ़ में राम नवमी के दिन हुई हिंसा के लिए भाजपा को दोषी ठहराते हुए कहा, मुझे दोष मत दीजिए। मेरे सारे अधिकार छीन लिए गए हैं। सभी अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। भाजपा के लोगों को यहां भेजा गया है। लेकिन वे नहीं जानते कि जीत हमारी ही होगी। रघुनाथगंज में दंगे भड़काए गए। उन्हें शर्म आनी चाहिए। इन (अधिकारियों) का तबादला यहां इसलिए किया गया है ताकि वे दंगे भड़का सकें। रघुनाथगंज में दुकानों में तोड़फोड़ की गई... किसी के घर में तोड़फोड़ करने का अधिकार आपको किसने दिया? रघुनाथगंज में दंगे भड़काने का अधिकार आपको किसने दिया? इन सबका हिसाब देना होगा।

ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल हमेशा से विविधता में एकता के सिद्धांत में विश्वास रखता आया है। बंगाल समावेशिता और एकजुटता का प्रतीक है। बंगाल सभी का धर्म, सभी के त्यौहार! के पवित्र दर्शन पर चलता है। लेकिन बंगाल धर्म के नाम पर हिंसा और गुंडागर्दी को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रतिबंधित गायब आयोग का इस्तेमाल करते हुए, बीजेपी ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के मनमाने तबादले

करके राज्य प्रशासन को पंगु बना दिया है। और अब, वे चुनावों से पहले पूरे बंगाल में तनाव और अशांति फैलाने के लिए खुलेआम हिंसा और गुंडागर्दी को बढ़ावा दे रहे हैं।वे लोगों का दिल नहीं जीत सके, इसलिए वे डर के जरिए, अराजकता फैलाकर जीतने की कोशिश कर रहे हैं। हम किसी को भी माहौल को दूषित नहीं करने देंगे। हम गुंडागर्दी को अपनी एकता भंग नहीं करने देंगे।

मुर्शिदाबाद में राम नवमी जुलूस के दौरान हिंसा भड़क उठी, जिसमें कई स्थानों से पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आईं। यह घटना रघुनाथगंज के मैकेन्जी पार्क की ओर बढ़ रहे एक विशाल जुलूस के दौरान संगीत बजाने को लेकर हुए विवाद के बाद झड़प में तब्दील हो गई। बनर्जी ने यह भी चेतावनी दी कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आती है, तो वे बुलडोजर का इस्तेमाल करेंगे और सबको बाहर निकाल देंगे। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि एसआईआ? तुम्हारे लिए मौत की घंटी साबित होगा। पश्चिम बंगाल में राज्य विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे और मतगणना 4 मई को होगी।

बिल सी-9 के द्वारा कनाडा में खालिस्तानी 'प्लेग्राउंड' का होगा अंत : आरपी सिंह

ओटावा/नई दिल्ली, 28 मार्च। कनाडा सरकार ने कनाडा में खालिस्तानी कट्टरपंथियों के लंबे समय से चले आ रहे माफी की संस्कृति को खत्म करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। बिल सी-9 के जरिए कनाडा के सिक्योरिटी स्ट्रक्चर में एक बड़ा बदलाव किया जा रहा है, जिसका मकसद उस पूरे सिस्टम को खत्म करना है जिसकी वजह से खालिस्तानी कट्टरपंथियों को आसानी से काम करने का मौका मिला। ये विचार बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने जाहिर किए।

बीजेपी नेता ने कहा कि इस नए कानून के तहत अब 'बब्बर खालसा इंटरनेशनल' जैसे आतंकवादी संगठनों से जुड़े सिंबल या निशान का इस्तेमाल करके नफरत या हिंसा भड़काने वालों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किए जाएंगे। पहले ऐसी एक्टिविटीज को बोलने की आजादी के नाम पर नजरअंदाज किया जाता था, लेकिन अब यह शील्ड हटा दी गई है। बिल सी-9 कनाडाई कानून के सेक्शन 319(3)(b) को रद्द करता है, जो पहले धार्मिक ग्रंथों का हवाला देकर हेट स्पीच देने वालों को केस से छूट देता था। अब कट्टरपंथी धर्म की आड़ में अपने जुर्म नहीं छिपा पाएंगे। मंदिरों की सुरक्षा और तुरंत पुलिस कार्रवाई आरपी सिंह ने कहा कि भारतीय मूल के कनाडाई नागरिकों को लंबे समय से मंदिरों और दूसरी

कम्युनिटी जगहों के बाहर डराया-धमकाया जाता रहा है। नए कानून के तहत, पूजा की जगहों तक पहुंचने में रुकावट डालना या लोगों को डराना-धमकाना अब एक खास अपराध माना जाएगा। इसके अलावा, पुलिस को कार्रवाई करने के लिए अब अटॉर्नी जनरल की मंजूरी की जरूरत नहीं होगी, जिससे कानून को लागू करने की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

कांग्रेस-सपा ने यूपी के विकास को सालों तक रोका था: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईंधन पर उत्पाद शुल्क में हाल ही में की गई कटौती के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की और इसे राज्य भर के नागरिकों और व्यवसायों के लिए एक स्वागत योग्य राहत बताया। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी, पिछले 11-12 वर्षों में आपने 'नए भारत' को 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर अग्रसर करने के लिए हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस यात्रा का एक अहम हिस्सा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग अब वैश्विक विमानन मानचित्र पर देश को एक नई दिशा प्रदान कर रहे हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

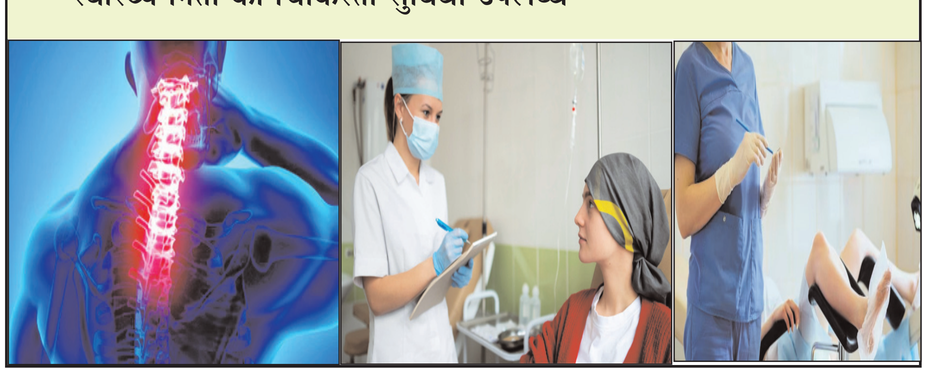

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

-ललित गर्ग

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है। यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है। लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

चिकित्सा और बीमा-दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो मूलतः मानव जीवन की सुरक्षा, राहत और सेवा से जुड़े हुए माने जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज ये दोनों क्षेत्र आमजन के लिए सबसे अधिक जटिल, महंगे और अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। एक ओर रियायती जमीन पर बने निजी अस्पताल गरीबों को मुफ्त इलाज देने के अपने दायित्व से बचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा के नाम पर बीमा कंपनियां ऐसी शर्तें और प्रक्रियाएं थोप देती हैं कि जरूरत के समय मरीज को बीमा का लाभ मिलना कठिन हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतीक बनती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के रियायती जमीन पर बने अस्पतालों को नोटिस जारी करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने जैसा है। जब अस्पताल रियायती जमीन लेते समय गरीबों के इलाज का वायदा करते हैं, तो वह केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि लाभ तो निजी अस्पताल उठा रहे हैं और दायित्व निभाने से बच रहे हैं। यही स्थिति बीमा क्षेत्र में भी दिखाई देती है, जहां पॉलिसी बेचते समय बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं, लेकिन क्लेम के समय छोटी-छोटी तकनीकी वजहों से दावे खारिज कर दिए जाते हैं। आम आदमी सालों तक प्रीमियम भरता रहता है, लेकिन जरूरत के समय उसे राहत नहीं मिलती। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है। जिस प्रकार अदालत ने अस्पतालों से जवाब मांगा है, उसी प्रकार बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी सख्त निगरानी और स्पष्ट नियम बनने चाहिए, ताकि बीमा वास्तव में सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल। सरकारों की जिम्मेदारी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके क्रियान्वयन की सख्त निगरानी भी होनी चाहिए। यदि रियायती जमीन लेने वाले अस्पताल गरीबों का मुफ्त इलाज नहीं करते तो उनसे जमीन का बाजार मूल्य वसूला जाना चाहिए या उनकी मान्यता पर पुनर्विचार होना चाहिए। इसी तरह बीमा कंपनियों को भी क्लेम प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। स्वास्थ्य और बीमा दोनों ही आम आदमी की जीवन सुरक्षा से जुड़े विषय हैं, इसलिए इनमें मुनाफाखोरी की मानसिकता पर नियंत्रण आवश्यक है। यदि सरकार, न्यायपालिका और नियामक संस्थाएं मिलकर सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित करें, तो चिकित्सा और बीमा दोनों क्षेत्रों में आमजन का विश्वास फिर से स्थापित हो सकता है। अन्यथा सेवा के ये क्षेत्र केवल व्यवसाय बनकर रह जाएंगे और गरीब आदमी इलाज और बीमा दोनों के बीच पिसता रहेगा।

खौफ, काला धन और सत्ता का सिंडिकेट

-सुरेश गांधी

कभी गोलियों की आवाज से दहशत फैलाने वाले नाम, कभी चुनावी मंचों पर जनसेवक के रूप में स्थापित चेहरे–उत्तर भारत के माफिया तंत्र की यह दोहरी कहानी अब पर्दे पर भी सामने आ चुकी है। धुरंधर फिल्म और रिटायर्ड आईपीएस डॉ. सूर्य कुमार शुक्ला के दावे एक बार फिर उस असहज सच को सामने लाते हैं कि अपराध और सत्ता का गठजोड़ केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और लोकतांत्रिक संरचना के लिए भी गंभीर खतरा रहा है।

भारत के कई हिस्सों में अपराध कभी केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रहा। यह धीरे-धीरे सत्ता का उपकरण बन गया। बिहार के शहाबुद्दीन, उत्तर प्रदेश के मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और विजय मिश्रा जैसे नाम केवल अलग-अलग अपराधी नहीं थे, बल्कि एक व्यापक नेटवर्क के हिस्से थे। यह नेटवर्क किसी एक शहर या जिले तक सीमित नहीं था। यह उस सोच का परिणाम था जिसमें अपराध को सत्ता तक पहुंचने का माध्यम बना दिया गया। फिल्म धुरंधर ने इसे पूरे तंत्र को कहानी के माध्यम से सामने लाने की कोशिश की है। यह फिल्म केवल मनोरंजन नहीं करती, बल्कि उस सच से टकराने को मजबूर करती है जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। फिल्म में दिखाया गया है :- अपराधी कैसे राजनीति में प्रवेश करते हैं. कैसे उन्हें सामाजिक स्वीकृति मिलती है. और कैसे वे कानून से ऊपर खुद को स्थापित कर लेते हैं. यह कहानी भले ही सिनेमाई हो, लेकिन इसके संकेत बेहद वास्तविक हैं।

अपराध जब संगठित होता है, तो वह केवल हिंसा तक सीमित नहीं रहता। वह अर्थव्यवस्था में घुसपैठ करता है। इस नेटवर्क ने जाली नोटों की तस्करी से देश की आर्थिक प्रणाली को चोट पहुंचाई. कोयला कारोबार में अवैध वसूली और नियंत्रण स्थापित किया. रेलवे ठेकों और सप्लाई चेन में दखल दिया. सरकारी निर्माण कार्यों को अपने प्रभाव में लिया. यह केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं था, बल्कि यह देश की आर्थिक नसों पर पकड़ बनाने की कोशिश थी। जब कोई आपराधिक गिरोह कोयला और रेलवे जैसे सेक्टरों में दखल देता है, तो वह सीधे-सीधे राष्ट्र की बुनियादी संरचना को प्रभावित करता है।

खौफ का कारोबारः जहां कानून बौना पड़ गया

इस नेटवर्क की सबसे बड़ी ताकत उसका खौफ था। अपहरण और फिरौती. खुलेआम हत्या. गवाहों को धमकाना. पुलिस और प्रशासन पर दबाव. इन सबने मिलकर एक ऐसा माहौल बनाया, जहां आम नागरिक खुद को असहाय महसूस करने लगा। कानून की किताबें मौजूद थीं, लेकिन उनका असर जमीन पर कमजोर पड़ता जा रहा था।

जब अपराध बना राजनीति का टूल

भारत के लोकतंत्र के लिए सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि ऐसे लोगों को राजनीतिक संरक्षण मिला। समाजवादी पार्टी समेत कई दलों पर समय-समय पर आरोप लगे कि उन्होंने इन चेहरों को वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल किया। अपराधी छवि के बावजूद टिकट देना. जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों के आधार पर समर्थन. कानून के मामलों को नजरअंदाज करना. यह सब मिलकर एक खतरनाक प्रवृत्ति को जन्म देता है—जहां अपराधी ह्यनेताह्ल बन जाते हैं और जनता का विश्वास कमजोर पड़ता है।

समाज पर असर : भय, अन्याय और विकृति

इस पूरे तंत्र का असर केवल अपराध तक सीमित नहीं रहा। युवाओं के सामने गलत आदर्श स्थापित हुए. अपराध को ताकत के रूप में देखा जाने लगा.

न्याय व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कम हुआ

जब समाज में यह संदेश जाता है कि अपराध के जरिए भी सत्ता हासिल की जा सकती है, तो यह एक गहरी सामाजिक विकृति को जन्म देता है। देश के लिए खतराः केवल कानून-व्यवस्था नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल. यह समझना जरूरी है कि ऐसे नेटवर्क केवल स्थानीय समस्या नहीं होते। जाली नोट देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाते हैं। अवैध कारोबार काले धन को बढ़ावा देता है। संगठित अपराध राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती बनता है। इसलिए यह मुद्दा केवल पुलिसिंग का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता का भी है।

फिल्म की चेतावनी और वास्तविकता का संदेश

धुरंधर एक तरह से समाज के लिए चेतावनी है। यह बताती है कि अगर समय रहते ऐसे गठजोड़ को नहीं तोड़ा गया, तो यह लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर देगा। यह फिल्म हमें यह सोचने पर मजबूर करती है :— क्या हम ऐसे लोगों को हीरो बनाते रहे? क्या हमने अपराध और राजनीति के बीच की रेखा को धुंधला होने दिया? समाधानः केवल कार्रवाई नहीं, सामाजिक बदलाव भी जरूरी. इस समस्या का समाधान केवल पुलिस या अदालत नहीं कर सकती। इसके लिए व्यापक बदलाव की जरूरत है— राजनीतिक दलों को आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों से दूरी बनानी होगी. कानून व्यवस्था को निष्पक्ष और सख्त बनाना होगा. समाज को भी ऐसे चेहरों को नकारना होगा. जब तक जनता खुद ऐसे तत्वों को स्वीकार करती रहेगी, तब तक यह समस्या बनी रहेगी।

अब चुप्पी नहीं, निर्णायक कदम जरूरी

डॉ. सूर्य कुमार शुक्ला के बयान और धुरंधर जैसी फिल्में हमें उस सच्चाई से रूबरू कराती हैं, जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। यह केवल अतीत की कहानी नहीं है, बल्कि वर्तमान के लिए चेतावनी है। अगर अपराध और सत्ता का यह गठजोड़ नहीं टूटा, तो इसका असर आने वाली पीढ़ियों तक जाएगा। अब समय आ गया है :- कानून का राज स्थापित हो. राजनीति को अपराध से मुक्त किया जाए. और समाज ऐसे तत्वों के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा हो. क्योंकि जब अपराधी व्यवस्था का हिस्सा बन जाते हैं, तो सबसे बड़ा नुकसान राष्ट्र की आत्मा को होता है।

आधुनिक समाज में यौनता का अतिशय

आज का समय एक विचित्र द्वंद्व का समय है। एक ओर हम स्वयं को आधुनिक, जागरूक और खुला समाज घोषित करते हैं, तो दूसरी ओर हमारी चेतना का एक बड़ा हिस्सा लगातार एक ही बिंदु के इर्द-गिर्द सिमटता जा रहा है—देह, आकर्षण और कामना का अतिशय प्रदर्शन। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि बीते दो-तीन दशकों में जीवन के लगभग हर क्षेत्र में ह्लसेक्सह्व एक केंद्रीय विमर्श के रूप में उभरा है, किंतु यह विमर्श संतुलित या संवेदनशील न होकर अधिकतर बाजार, उपभोग और सतही उत्तेजना तक सीमित रह गया है। परिणामस्वरूप, जो विषय स्वाभाविक, निजी और मानवीय अनुभव का हिस्सा होना चाहिए था, वह अब एक उत्पाद, एक रणनीति और निरंतर परोसी जाने वाली सामग्री में परिवर्तित हो गया है।

बाजार ने इस परिवर्तन को सबसे पहले पहचाना और सबसे आक्रामक रूप में भुनाया। विज्ञापनों से लेकर फिल्मों, वेब सीरीज और सोशल मीडिया तक, हर जगह देह का एक विशेष प्रकार का चित्रण दिखाई देता है, जो आकर्षण को बेचने का सबसे आसान माध्यम बन चुका है। साबुन, शैम्पू, कपड़े, यहाँ तक कि रोजमर्रा की साधारण वस्तुओं के प्रचार में भी यौन संकेतों का प्रयोग अब सामान्य हो गया है। यह प्रवृत्ति केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि धीरे-धीरे दर्शकों की संवेदनाओं और अपेक्षाओं को भी प्रभावित करती है। जब हर ओर एक ही तरह का संदेश बार-बार दोहराया जाता है, तो वह सामान्य प्रतीत होने लगता है—और यही सामान्यीकरण सबसे बड़ी चिंता का विषय है। इस बदलते परिदृश्य में केवल बाजार ही नहीं, बल्कि वे क्षेत्र भी शामिल हो गए हैं जो कभी मूल्य, अनुशासन और संतुलन के प्रतीक माने जाते थे। शिक्षा, अध्यात्म, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास जैसे क्षेत्रों में भी ह्लबेहतर जीवनह्व की परिभाषा को एक विशेष दिशा में मोड़ दिया गया है। जीवन की जटिलताओं का समाधान अब अक्सर इस रूप में प्रस्तुत किया जाता है कि व्यक्ति अपनी सेक्स लाइफह्व को बेहतर बना ले, मानो यह जीवन के हर असंतुलन का अंतिम उत्तर हो। यह सरलीकरण न केवल भ्रामक है, बल्कि जीवन के अन्य महत्वपूर्ण आयामों—जैसे मानसिक शांति, संबंधों की गहराई, सामाजिक जिम्मेदारी और आत्मिक संतुलन—को भी हाशिये पर डाल देता है।

इस पूरे परिदृश्य का सबसे गहरा प्रभाव मानवीय संबंधों पर पड़ा है। रिश्तों की जो आत्मीयता, सहजता और भरोसा कभी उनकी आधारशिला हुआ करती थी, वह धीरे-धीरे प्रदर्शन, अपेक्षा और तुलना के दबाव में कमजोर होती जा रही है। प्रेम, जो कभी एक गहरी अनुभूति और आत्मिक जुड़ाव का प्रतीक था, अब अक्सर बाहरी अभिव्यक्तियों और शारीरिक आकर्षण तक सीमित कर दिया जाता है। इससे न केवल संबंधों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि व्यक्ति के भीतर एक स्थायी असंतोष भी जन्म लेता है, क्योंकि वह लगातार एक आदर्श छवि को पाने की कोशिश में रहता है, जो वास्तविकता से कोसों दूर होती है। स्त्री-पुरुष संबंधों के संदर्भ में यह बदलाव और भी जटिल हो जाता है। स्त्री का चित्रण लंबे समय से समाज में बहस का विषय रहा है, किंतु वर्तमान समय में यह चित्रण एक नए प्रकार के वस्तुकरण की ओर संकेत करता है। स्त्री को एक व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया जाना उसकी पहचान को सीमित कर देता है। यह प्रवृत्ति केवल पुरुष दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि कई बार स्वयं स्त्रियाँ भी इसी ढाँचे के भीतर अपनी स्वीकृति तलाशने लगती हैं। इससे एक ऐसा चक्र निर्मित होता है, जिसमें वास्तविक स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की जगह बाहरी मानकों को पूरा करने की होड़ ले लेती है।

मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इस प्रवृत्ति को और तीव्र कर दिया है। एल्गोरिद्म आधारित दुनिया में वही सामग्री अधिक दिखाई जाती है जो तुरंत ध्यान आकर्षित करे और अधिक प्रतिक्रिया प्राप्त करे। ऐसे में गहराई, संवेदना और विचारशीलता की जगह उत्तेजना, सनसनी और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता मिलती है। यह न केवल दर्शकों की पसंद को प्रभावित करता है, बल्कि रचनाकारों को भी उसी दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है। धीरे-धीरे यह एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करता है, जहाँ गंभीरता और संवेदनशीलता को कम महत्व दिया जाता है। इस सबके बीच एक और गंभीर पहलू उभरता है—सुरक्षा और नैतिकता का प्रश्न। जब समाज में देह और यौनता का अत्यधिक और असंतुलित प्रदर्शन होता है, तो उसका प्रभाव व्यवहार पर भी पड़ता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल इसी कारण अपराध बढ़ते हैं, किंतु यह भी सत्य है कि एक असंतुलित और विकृत दृष्टिकोण सामाजिक वातावरण को प्रभावित करता है। बच्चों और किशोरों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि वे अभी अपने मूल्यों और समझ का निर्माण कर रहे होते हैं। जब वे हर ओर एक ही प्रकार के संकेत देखते हैं, तो उनके लिए सही और गलत के बीच संतुलन स्थापित करना कठिन हो जाता है।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण प्रश्न के सामने खड़ा करती है—क्या वास्तव में हम एक अधिक परिपक्व और खुले समाज की ओर बढ़ रहे हैं, या केवल एक ऐसे भ्रम में जी रहे हैं, जहाँ खुलापन केवल प्रदर्शन तक सीमित है? परिपक्वता का अर्थ केवल वर्जनाओं को तोड़ना नहीं होता, बल्कि यह समझना भी होता है कि किस सीमा तक, किस संदर्भ में और किस संवेदनशीलता के साथ किसी विषय को देखा और प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यदि इस संतुलन की अनदेखी की जाती है, तो खुलापन भी एक नए प्रकार की बंदिश में परिवर्तित हो सकता है। समाधान इस स्थिति से भागने में नहीं, बल्कि उसे समझने और संतुलित करने में निहित है। यौनता मानव जीवन का एक स्वाभाविक और महत्वपूर्ण हिस्सा है, किंतु इसे जीवन का केंद्र बना देना न तो आवश्यक है और न ही स्वस्थ। हमें यह स्वीकार करना होगा कि जीवन की समृद्धि केवल एक आयाम में नहीं, बल्कि अनेक आयामों के संतुलन में निहित है। शिक्षा, कला, साहित्य और मीडिया को इस संतुलन को पुनः स्थापित करने की दिशा में प्रयास करना होगा, ताकि समाज में एक अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार दृष्टिकोण विकसित हो सके। अंततः, यह केवल बाहरी परिवर्तन का प्रश्न नहीं, बल्कि आंतरिक जागरूकता का भी विषय है। जब तक व्यक्ति स्वयं यह नहीं समझेगा कि वह क्या देख रहा है, क्यों देख रहा है और उसका उस पर क्या प्रभाव पड़ रहा है, तब तक कोई भी बाहरी प्रयास अधूरा रहेगा। हमें अपने भीतर उस संवेदनशीलता को पुनः जागृत करना होगा, जो किसी व्यक्ति को केवल देह नहीं, बल्कि एक संपूर्ण अस्तित्व के रूप में देख सके। यही वह दिशा है, जो हमें इस अतिरेक और असंतुलन से बाहर निकालकर एक अधिक मानवीय, संतुलित और सार्थक समाज की ओर ले जा सकती है। – डॉ. सत्यवान सौरभ

तीन देशों की सनक से पैदा वैश्विक आर्थिक,सामरिक संकट

संजीव ठाकुर

जैसी की आशंका दिखाई दे रही है ईरान की भयभीत आम जनता एवं वर्तमान में बचे हुए ईरानी टॉप लीडर्स कि यह पुरजोर मांग है कि ईरान के पास जितना परमाणु ईंधन अमेरिका के आक्रमण से जमीन में धंसा हुआ बचा है, उससे कम से कम 10 बड़े परमाणु बम बनाए जा सकते हैं और इस परमाणु बम को बनाने के लिए ईरान प्रशासन पर पूरा दबाव डाला जा रहा है। यह हालत इसलिए पैदा हुए हैं की इस त्रिकोणीय युद्ध में ईरान को बहुत बड़ी संख्या में जनहानि और बड़ी मात्रा में आर्थिक क्षति पहुंची है, ईरानके हजारों लोग मारें गए और 25000 से ज्यादा बड़ी-बड़ी बिल्डिंग,स्कूल और हॉस्पिटल ध्वस्त हुए हैं, ईरान में शिया सुन्नी झगड़ा भी अपने चरम पर है। सुन्नी लोग अब शासन का तख्ता पलटने के प्रयास में लगे हुए हैं। अमेरिका तथा इजरायल युद्ध से ईरान में हुए इस नुकसान को पूरा करने में ईरान को 15 से 20 साल लग सकते हैं। ईरान की सरकार और उनकी जनता के बीच जिस तरह से करो या मरो की स्थिति बनी है, जिसके परिणाम स्वरुप वहां की जनता और नेता यह चाहते हैं कि परमाणु बम बनाना तथा ईरान इजरायल और उसके सहयोगी देशों पर परमाणु हमला करना ही उनके अस्तित्व को बचाने के लिए अंतिम और सम्यक विकल्प हो सकता है। यदि ऐसा होता है तो निश्चित तौर पर अमेरिका इजरायल और ईरान यदि परमाणु संघर्ष में बदल सकता है। इसके परिणाम में यह परमाणु युद्ध मानव इतिहास के उन भयावह क्षणों से भी अधिक विनाशकारी होगा, जिनकी शुरूआत द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान के शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका द्वारा किए गए परमाणु हमलों से हुई थी। हिरोशिमा पर परमाणु बम विस्फोट की घटना 6 अगस्त 1945 को हुई थी, जब अमेरिका ने जापान के शहर हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया था। इसके तीन दिन बाद, नागासाकी पर परमाणु बम विस्फोट 9 अगस्त 1945 को हुआ, जब अमेरिका ने ही नागासाकी पर दूसरा परमाणु बम गिराया। यह घटनाएँ द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम चरण में अमेरिका और जापान के बीच हुए युद्ध का हिस्सा थीं। गौर तलब है कि उसे समय के परमाणु बम सीमित शक्ति के थे और उनका प्रभाव मुख्यतः स्थानीय स्तर पर केंद्रित रहा था, जबकि आज के परमाणु हथियार अत्यधिक उन्नत, बहु-मेगाटन क्षमता वाले और दूरगामी प्रभाव वाले विकसित हो चुके हैं। आधुनिक परमाणु युद्ध केवल एक शहर या देश तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि इसका प्रभाव विश्व के हर देश के स्तर पर फैलेगा, यदि ईरान परमाणु हथियार का उपयोग करता है या उस पर परमाणु हमला होता है तो सबसे पहले प्रत्यक्ष प्रभाव मध्य पूर्व क्षेत्र में दिखाई देगा, जिसमें इजरायल की स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो सकती है वह पूरी तरह विनाशकारी स्थिति में पहुंच सकता है। वहां जनसंख्या का बड़ा हिस्सा तुरंत प्रभावित होगा और बुनियादी ढांचा समाप्त हो सकता है। इसके साथ ही सऊदी अरब में रेडियोधर्मी कण पहुंचने की आशंका होगी जिससे वहां के तेल भंडार, जल स्त्रोत और जनजीवन गंभीर रूप से प्रभावित होंगे। इराक और सीरिया जैसे पड़ोसी देश जो पहले से अस्थिर हैं, यहां परमाणु विकिरण के कारण मानवीय संकट और भी गहरा जाएगा, तुर्की जो यूरोप और एशिया के बीच स्थित है, वह रेडियोधर्मी बादलों के प्रभाव से कृषि और स्वास्थ्य संकट का सामना कर सकता है। इसके आगे यह विकिरण वायुमंडलीय धाराओं के माध्यम से यूरोप के देशों जैसे ग्रीस, इटली और जर्मनी तक फैल सकता है, जहां कैंसर, श्वसन रोग और पर्यावरणीय असंतुलन बढ़ने की संभावना होगी। यदि संघर्ष बृहद रूप लेता है और अमेरिका तथा रूस जैसे परमाणु शक्तिशाली देश इसमें शामिल होते हैं तो स्थिति और भयावह हो जाएगी क्योंकि तब यह सीमित युद्ध नहीं बल्कि वैश्विक परमाणु टकराव का रूप ले सकता है। भारत और पाकिस्तान भी इसके अप्रत्यक्ष प्रभाव से अछूते नहीं रहेंगे, यहां पर मानसूनी चक्र में बदलाव, तापमान में गिरावट और कृषि उत्पादन में भारी कमी देखने को मिल सकती है जिसे न्यूक्लियर विंटर कहा जाता है। इस स्थिति में सूर्य का प्रकाश धूल और धुएं के कारण धरती तक नहीं पहुंच पाएगा जिससे वैश्विक खाद्य संकट उत्पन्न होगा, चीन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था को भी आपूर्ति श्रृंखला टूटने, व्यापार बाधित होने और जनस्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ेगा। अफ्रीका के देश जैसे मिस्त्र और नाइजीरिया खाद्य आयात पर निर्भर हैं, वहां अकाल और भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। वहीं दक्षिण अमेरिका के देश जैसे ब्राजील में भी जलवायु परिवर्तन और कृषि हानि देखने को मिल सकती है, इस पूरे परिदृश्य में एक बड़ा अंतर यह है कि द्वितीय विश्व युद्ध के समय केवल दो बम गिराए गए थे और उनका प्रभाव सीमित समय और स्थान में रहा, जबकि आज के परमाणु हथियारों की संख्या हजारों में है और उनकी मारक क्षमता कई गुना अधिक है, आधुनिक मिसाइल तकनीक जैसे इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल, कुछ ही मिनटों में एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक परमाणु हथियार पहुंचा सकती है, इसके अलावा आज की दुनिया अधिक परस्पर जुड़ी हुई है, वैश्विक अर्थव्यवस्था, संचार प्रणाली, इंटरनेट और आपूर्ति श्रृंखलाएं एक-दूसरे पर निर्भर हैं। इसलिए किसी एक क्षेत्र में परमाणु विस्फोट का प्रभाव पूरी दुनिया में आर्थिक मंदी, तकनीकी ठहराव और सामाजिक अराजकता के रूप में दिखाई दे सकती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से रेडियोधर्मी विकिरण केवल तत्काल मृत्यु ही नहीं बल्कि पीढ़ियों तक चलने वाली बीमारियां जैसे कैंसर, जन्म दोष और मानसिक विकार पैदा करेगा, पर्यावरणीय दृष्टि से नदियां, महासागर और मिट्टी प्रदूषित हो जाएंगे जिससे जैव विविधता को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी।यदि हम तुलना करें तो हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए बमों ने लाखों लोगों की जान ली थी, लेकिन आज का परमाणु युद्ध अरबों लोगों के अस्तित्व को खतरे में डाल सकता है। यह अनुमानित और विशेष रूप से संभावित अमेरिका-इजरायल-ईरान परमाणु संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक विनाशक आपदा होगा, जिसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग हर देश प्रभावित होगा, और मानव सभ्यता को सदियों पीछे धकेल सकता है। इसलिए यह केवल सैन्य या राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि मानवता के अस्तित्व का प्रश्न है।जिसे कूटनीति, संयम और वैश्विक सहयोग के माध्यम से युद्ध विराम करके ही टाला जा सकता है।

सोशल मीडिया का बढ़ता उपयोग और युवाओं पर इसका प्रभाव

-विक्रम दयाल

युवाओं में शोसल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, खासकर इंस्टाग्राम, फेसबुक, और ट्विटर जैसे प्लेटफार्म्स पर। जिसके फायदे भी हैं और नुकसान भी हैं। चलिए जानते हैं कि क्या फायदे है।

फायदेः- जुड़ावः शोसल मीडिया युवाओं को अपने दोस्तों और परिवारों से जुड़ने मैं मदत करता है। जानकारीः शोसल मीडिया द्वारा युवा आसानी से नई जानकारी और ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। अवसरः शोसल मीडिया पर कई अवसर उपलब्ध हैं, जैसे कि आनलाइन कोर्स, जाब, और फ्रीलेंसिंग इत्यादि।

नुकसानः- मानसिक स्वास्थ्यः अधिक उपयोग करने से तनाव, डिप्रेशन, और इन्जाइटी हो सकती है। साइबर बुलिंगः युवाओं को आनलाइन धमकी और बुलिंग का सामना करना पड़ सकता है। समय बबार्दः अधिक समय शोसल मीडिया पर बिताने से पढ़ाई और अन्य गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। जिम्मेदार उपयोगः- सीमित समयः शोसल मीडिया का उपयोग एक सीमित समय के लिए करें। सकारात्मकताः सकारात्मक और ज्ञानवर्धक कंटेंट ही देखें। सुरक्षाः अपनी निजी जानकारी सुरक्षित रखें, और अनजान लोगों से बात न करें। परन्तु इन सबके बावजूद शोसल मीडिया का उपयोग दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। शोसल मीडिया का बढ़ता उपयोगः शोसल मीडिया का उपयोग युवाओं मैं तेजी से बढ़ रहा है। इसके कई कारण हैः- आसानी से उपलब्धताः स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुँच जुड़ने से युवाओं के लिए शोसल मीडिया का उपयोग आसान हो गया है। विविधताः शोसल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे कि इंस्टाग्राम, फेसबुक, ट्विटर और स्नैपचैट युवाओं को आकर्षित करते हैं। जुड़ावः युवाओं को अपने दोस्तों और परिवारों से जुड़ने के लिए शोसल मीडिया एक अच्छा माध्यम बन गया है। फायदेः शोसल मीडिया से कई फायदे हैं, जैसे किः- जुड़ाव : शोसल मीडिया युवाओं को अपने दोस्तों, परिवारों, और समुदायों से जुड़ने मैं मदत करता है। जानकारीः शोसल मीडिया द्वारा आसानी से नई नई जानकारियाँ ज्ञान, और शिक्षा प्राप्त करने में मदत मिलती है। अवसरः शोसल मिडिया पर कई अवसर उपलब्ध हैं, जैसे कि आनलाइन कोर्स, जाब, और फ्रीलेंसिंग। क्रिएट्विटीः युवाओं को अपनी क्रियेट्विटी दिखाने का मौका मिलता है, जैसे कि फोटो, वीडियो, और लेखन कार्य इत्यादि। शोसल मिडिया के अधिक उपयोग करने से अनेकों प्रकार के नुकसान भी हैं। अधिक उपयोग करने से तनाव, डिप्रेशन, और इंजाइटी होने का खतरा बढ़ सकता है। युवाओं को आनलाइन धमकी, बुलिंग का सामना करना पड़ सकता है। अधिक समय शोसल मीडिया पर बिताने से पढ़ाई और अन्य गतिविधियों पर असर पड़ सकता है, और तो और निजी जानकारी का गलत उपयोग। जिम्मेदार उपयोगः शोसल मीडिया का जिम्मेदार उपयोग करने के लिए कुछ सुझाव हैः- सीमित समयः शोसल मीडिया का उपयोग केवल सीमित समय तक ही करें। सकारात्मक और ज्ञानवर्धक कंटेंट ही देखें। अपनी निजी जानकारी सुरक्षित रखें, और अनजान लोंगो से बातें न करें। आफ लाइन गतिविधियाँ : शोसल मीडिया के अलावा अन्य आनलाइन गतिविधियों मे भाग लें, जैसे कि खेल, पढ़ाई, और दोस्तों से मिलें। शोसल मीडिया और मानसिक स्वास्थ्यः- शोसल मीडिया का अधिक उपयोग युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। कुछ कारण हेंः- तुलनाः युवाओं को लगता है दूसरों का जीवन उनसे बेहतर है, जिससे वे तनाव और डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। साइबर बुलिंगः आनलाइन धमकी और बुलिंग से युवाओं का आत्मविश्वास कम हो सकता है। अवास्तविक उम्मीदेः शोसल मीडिया पर दिखाये जाने वाले अवास्तविक और आकर्षक जीवन से युवाओं को लगता है कि उनका जीवन अधूरा है। इससे बचने के निम्न उपायों पर ध्यान देना आवश्यक हैः- सकारात्मकताः सकारात्मक और ज्ञानवर्धक कंटेंट ही देखें। आफलाइन गतिविधियों में भाग लें और शोसल मीडिया का उपयोग कम करें। मेडिटेशन और योगः मानसिक तनाव को कम करने को लिए मेडिटेशन और योग अपनायें। प्रोफेशनल मददः अगर जरूरत हो तो प्रोफेशनल की मदत लें, जैसे कि कौउंसिलर या थेरेपिस्ट से बात करें।

इच्छापूर्ति श्रीराम मंदिर ट्रस्ट बोईसर द्वारा धूमधाम से मनाया गया श्रीराम जन्मोत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। इच्छापूर्ति श्रीराम मंदिर ट्रस्ट बोईसर द्वारा पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित इच्छापूर्ति श्रीराम मंदिर में शुक्रवार 27 मार्च 2026 को श्री राम जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नौ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के बाद शाम को प्रभु श्रीराम दरबार की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा की शुरुआत श्रीराम मंदिर में प्रभु श्रीराम और हनुमान जी की स्तुति व महाआरती से हुई। इसके बाद वेदमंत्रों के साथ प्रभु श्रीराम के छायाचित्र को पालकी में स्थापित कर, श्रीफल तोड़कर यात्रा की शुरूआत की गई। शोभायात्रा इच्छापूर्ति श्रीराम मंदिर से शुरू होकर नवापुर नाका, यशवंत सृष्टि, बोईसर रेलवे स्टेशन, बंजार वाडा, ओसवाल एम्पायर होते हुए फिर से श्रीराम मंदिर में पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान जगह-जगह पर भक्तों ने पालकी में विराजमान प्रभु श्रीराम का पूजन अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। यह कार्यक्रम बोईसर राम मंदिर सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष बच्चन शुक्ला एवं कोषाध्यक्ष राकेश शुक्ला के मार्गदर्शन में तथा ट्रस्ट कमेटी के विशेष सहयोग से आयोजित किया गया। इस विशाल आयोजन में विभिन्न धार्मिक मंडलियों ने अपनी भक्ति प्रस्तुत की, जिसमें श्री हरी भजन मंडली, इंदु पांडेय व मीरा मिश्रा भजन मंडली, सत्य साईं सेवा संस्था भजन मंडल, हनुमान भजन मंडल (बृजेश पांडेय ग्रुप) द्वारा सुंदरकांड पाठ किया गया। रात्रि 10:20 बजे पुनः महाआरती का आयोजन हुआ, और भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया गया। इस शोभायात्रा के दौरान बोईसर पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये थे (वहीं समाजसेवी संस्थाओं की ओर से भक्तों के लिए जगह - जगह पर सरबत व पानी की भरपूर व्यवस्था की गई थी। इस आयोजन में तमाम धमार्नुयायी, समाजसेवी, उद्योजक समेत बड़ी संख्या में श्रीराम भक्तों ने श्रद्धा भाव के साथ हिस्सा लिया।

बोईसर, शिवाजी नगर में लक्ष्मी प्लास्ट पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना रजिस्टर ऑफिस का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर के सालवड ग्राम पंचायत अंतर्गत शिवाजी नगर नई बस्ती में मुख्य सड़क पर स्थित श्री साईराज को - ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड के बगल में शनिवार 28 मार्च 2026 को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत लक्ष्मी प्लास्ट रजिस्टर ऑफिस का शुभारंभ प्रोपराइटर गिरजेश आर. सिंह के हाथों नारियल तोड़ कर किया गया। इस योजना के तहत महाराष्ट्र स्टेट रूफ टॉप सोलर सिस्टम को लगाया जायेगा, जो ग्रुप हाउसिंग सोसायटी और निजी मकानों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत 3 किलोवाट सोलर सिस्टम पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी प्रदान की जायेगी। इसके अलावा कॉमन सोसाइटीज के लिए प्रति किलोवाट 18,000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी। यह योजना घरेलू उपयोगकताओं को सस्ती दरों पर सौर ऊर्जा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी। योजना का इंवेस्टमेंट रिटर्न सिर्फ 3 वर्षों में मिल जाता है, जिससे यह योजना आर्थिक दृष्टिकोण से भी लाभकारी सिद्ध होती है। इस योजना का लाभ लेने के लिए मुख्य डॉक्यूमेंट में बिजली कनेक्शन व आधार कार्ड की आवश्यकता होगी, और कनेक्शन एक महीने में उपलब्ध होगा। इसके बारे में जानकारी साझा करते हुए रजिस्टर वेंडर, लक्ष्मी प्लास्ट पीएम एस वाई के प्रोपराइटर गिरजेश आर. सिंह ने बताया कि प्रति किलोवाट पर कम से कम 80 एक्वायर फिट जगह होना चाहिए, ताकि सौर ऊर्जा प्रणाली को उचित तरीके से स्थापित किया जा सके। इस सौर ऊर्जा प्रणाली से संबंधित अधिक जानकारी के लिए लक्ष्मी प्लास्ट पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना रजिस्टर ऑफिस, शिवाजी नगर, नई बस्ती, श्री साईराज को ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी के बगल, विशेश्वर महादेव मंदिर के सामने, सलवाड, बोईसर, पालघर अथवा रजिस्टर वेंडर, लक्ष्मी प्लास्ट पीएम एस वाई के प्रोपराइटर गिरजेश आर. सिंह के मोबाइल नंबर 9422076242, 9223248569 पर संपर्क किया जा सकता है।

एल वार्ड अंतर-विद्यालय प्रतियोगिता में समता विद्या मंदिर की शानदार सफलता

मुंबई। बृहन्मुंबई शिक्षण विभाग द्वारा आयोजित एल वार्ड अंतर-विद्यालय पुरस्कार वितरण समारोह गांधी बाल मंदिर, कुर्ला में गत दिनों उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विभाग निरीक्षिका भारती भवारी सहित एल वार्ड के सभी मुख्याध्यापक उपस्थित थे।

इस समारोह में समता विद्या मंदिर विद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सर्वश्रेष्ठ विद्यालय (द्वितीय स्थान) का गौरव हासिल किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने शानदार सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

चित्रकला प्रतियोगिता : कक्षा 1 -आरोही अनपट (द्वितीय स्थान) कक्षा 2- तन्वी सकपाळ (प्रथम स्थान) कक्षा 3- सोहम पाडमुख (प्रोत्साहन पुरस्कार) कक्षा 4 -अदिती जाधव (प्रोत्साहन पुरस्कार) कथाकथन प्रतियोगिता : कक्षा 4 - अर्णव येद्रे (प्रथम स्थान) कक्षा 3 - रुतुजा चव्हाण (प्रोत्साहन पुरस्कार) श्री मनाचे श्लोक प्रतियोगिता : कक्षा 1 समूह - द्वितीय स्थान (आरोही अनपट, आराध्या अनपट, नेहा चौगुले, श्रावणी कदम, गायत्री सोनकांबळे) कक्षा 3 समूह - द्वितीय स्थान (राज कदम, स्वराज जाधव, पार्थ कोंढे, अर्णव सपकाळ, सोहम पाडमुख)।

अखिल नारी शक्ति वस्ती विकास संस्था, घाटकोपर महाराष्ट्र की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। समाज की गरीब, जरूरतमंद महिलाओं, सड़क पर रहने वाले मानसिक रूप से बीमार लोगों, बेसहारा नागरिकों, अन्यायग्रस्त व बेरोजगार महिलाओं के उत्थान के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाली अखिल नारी शक्ति वस्ती विकास संस्था (रजि), घाटकोपर महाराष्ट्र की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

घाटकोपर पश्चिम के काजूटेकड़ी, स्थित श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था की संस्थापिका अध्यक्षा व समाजसेविका संगीता सूर्यकांत मांडे के नेतृत्व में तथा कोषाध्यक्ष रंगिता पवार एवं सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, कला, खेल एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को मान्यवरों के हाथों शॉल, पुष्पगुच्छ एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न विषयों पर उपस्थित महिलाओं को मार्गदर्शन भी दिया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में प्रभाग समिति अध्यक्षा व नगरसेविका अश्विनी मते के साथ सुरेखा गवली, कांचन बढे, आशा कोरडे, कांचन सालवी, रेहाना शेख, सविता चाकणे, सोनल शिंदे, तनुजा सोनवणे, उज्वला पवार, पद्मा, प्रतीक्षा शिंदे, अश्विनी इंदुलकर, नंदा गव्हाणे, सरिता डाकरे, संजय निमार्ले, महेंद्र आर. चौधरी, अरविंद जोशी, आशा कांबले, साजिद अंसारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में संस्था के सभी पदाधिकारी तथा क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी मान्यवरों ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं।

प्रजापति समाज बॉम्बे द्वारा मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

मुंबई। प्रजापति समाज बॉम्बे द्वारा पूरे भारत से उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 11 मेधावी विद्यार्थियों का चयन किया गया है। इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनके परिश्रम, समर्पण एवं शैक्षणिक उपलब्धियों के सम्मान स्वरूप प्रत्येक को ?10,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है।

यह सराहनीय पहल न केवल विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। इस प्रकार के प्रोत्साहन से युवाओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता और उत्कृष्टता प्राप्त करने का उत्साह बढ़ता है। संस्था के अध्यक्ष प्रोफेसर राम जन्म प्रजापति ने कहा कि

PRAJAPATI SAMAJ MUMBAI
स्थापना : १९७२

प्रजापति समाज बॉम्बे का यह प्रयास शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं को पहचान देने और उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

हम सभी चयनित विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हैं तथा उनके उज्वल भविष्य, निरंतर प्रगति एवं सफलता की कामना करते हैं।

बेटियों को पैर से बांध रातभर छत से उल्टा लटकाया, एक की मौत, दूसरी गंभीर, महाराष्ट्र में हत्यारा पिता गिरफ्तार

सांगली। महाराष्ट्र के सांगली जिले से एक हिला देनेवाली खबर सामने आई है। यहां एक पिता ने अपनी 10 और 11 साल की दो बेटियों को पीटा और उन्हें घर की छत से उल्टा लटका दिया। वह बेटियों को ऐसे ही रातभर लटकाए रहा। सुबह तक एक बच्ची की मौत हो गई। दूसरी बच्ची का इलाज अस्पताल में चल रहा है। बच्चियों पर एक रिश्तेदार के घर से पैसे चुराने का संदेह था। में 10 वर्षीय एक लड़की की कथित तौर पर उसके पिता द्वारा उसे घर में उल्टा लटकाकर रखने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि लड़की के किसान पिता दादू उर्फ नाना यमगर को पकड़ लिया गया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना गुरुवार को तब सामने आई जब दादू अपनी बेटी को लेकर अस्पताल पहुंचा। उसने अस्पताल में डॉक्टर्स को बताया कि उसकी बेटी ऋतुजा बीमार है। जब डॉक्टर्स ने चेक किया तो उन्होंने बताया कि उसकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टर्स को दादू की बातों से कुछ गड़बड़ लगी। उन्होंने सांगली के अतपड़ी तालुका में पुलिस को सूचना दी। ऋतुजा की मौत की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची। यहां दादू से पूछताछ की गई।

उसके बार-बार बयान बदलने के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया की दादू ने अपनी दो बेटियों ऋतुजा और अनुजा के हाथ-पैर बांधकर उन्हें घर की छत के नीचे दीवार पर लगे लोहे के कोण से उल्टा लटका दिया था।

वह गुस्से में था क्योंकि उसे शक था कि दोनों लड़कियों ने अतपड़ी के बनपुरी स्थित एक रिश्तेदार के घर से पैसे चुराए थे। पुलिस के अनुसार यमगर के पिता समेत परिवार के अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव करने और लड़कियों को बचाने की कोशिश की।

शासन की योजना के माध्यम से 300 से अधिक गृह उपयोगी किट्स वितरण

कष्टकरी महिलाओं को शासन की योजना

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कष्टकरी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए तथा उनके दैनिक जीवन में उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डॉ. श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन और मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन की ओर से एक विशेष पहल आयोजित की गई। इस पहल के अंतर्गत कल्याण पूर्व की अनेक कष्टकरी महिलाओं को शासन की योजना के माध्यम से 300 से अधिक गृह उपयोगी किट्स का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में शामिल महिलाओं को कुल 30 प्रकार की घरेलू उपयोग की वस्तुओं से युक्त किट प्रदान किए गए। इससे महिलाओं की घरेलू जिम्मेदारियों में कुछ हद तक राहत मिलेगी और उनके श्रम की बचत होगी। कार्यक्रम का आयोजन जनसेवक महेश गायकवाड के नेतृत्व में किया गया। सामाजिक कार्य की इस परंपरा को

आगे बढ़ाते हुए गायकवाड ने कष्टकरी महिलाओं की समस्याओं के समाधान हेतु शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहायता दिलाने के प्रयास किए हैं। इस अवसर पर बोलते हुए गायकवाड ने कहा, कष्टकरी महिलाएं समाज की रीढ़ हैं। उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने और उनकी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए हम ऐसी योजनाओं के माध्यम से सहायता पहुंचा रहे हैं। यह कार्य आगे भी अधिक व्यापक रूप में जारी रहेगा। महिलाओं को बचत गट स्थापित करने चाहिए, क्योंकि इनके माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है। इस पहल को स्थानीय महिलाओं का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला और महिलाओं ने इसके लिए फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। डॉ. श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन और मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन के संयुक्त प्रयासों से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प इस कार्यक्रम के माध्यम से स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस अवसर पर गुंजाई फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं महिला कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन प्रशांत बोटे द्वारा किया गया।

भिवंडी में 5 किलो के गैस सिलेंडर के लिए आधी रात लाइन लगाने के बावजूद भी नहीं मिल रहा गैस सिलेंडर

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। खाड़ी देशों में जारी युद्ध का असर अब स्थानीय स्तर पर भी दिखने लगे हैं। भिवंडी शहर में 5 किलो कमर्शियल गैस सिलेंडर की भारी कमी के कारण खासकर स्थलांतरित मजदूर वर्ग को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कामगारों के शहर के रूप में पहचान रखने वाले भिवंडी में बड़ी संख्या में मजदूर छोटे सिलेंडरों पर निर्भर हैं, लेकिन सीमित आपूर्ति ने उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को मुश्किल बना दिया है। गैस एजेंसियों पर रोजाना मात्र 40 से 50 सिलेंडर ही उपलब्ध हो रहे हैं, जिससे पहले आओ, पहले पाओ जैसी स्थिति बन गई है। सिलेंडर पाने के लिए मजदूर आधी रात से ही कतारों में खड़े हो

जाते हैं। कई लोग नंबर लगाकर वहीं जमीन पर सोकर रात गुजारते हैं ताकि सुबह सिलेंडर मिल सके। इसके बावजूद सैकड़ों लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। पिछले तीन-चार दिनों से लगातार लाइन में लगने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिलने से मजदूरों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। गैस की कमी के कारण खाना बनाना भी मुश्किल हो गया है, जबकि होटल का खाना या अन्य विकल्प उनके लिए महंगे साबित हो रहे हैं। इस संबंध में सिद्धिविनायक गैस एजेंसी के संचालक सागर कामुर्ती ने बताया कि, हम फिलहाल ग्राहकों से आधार कार्ड और मोबाइल नंबर लेकर आवेदन भरवा रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गैस का उपयोग केवल घरेलू काम के लिए हो। सीमित स्टॉक के चलते पहले आने वालों को ही सिलेंडर दिया जा रहा है। आज केवल 120 सिलेंडर आए थे, जबकि 400 से 500 ग्राहक लाइन में थे, जिन्हें समझाकर वापस भेजना पड़ा। मजदूरों ने प्रशासन से 5 किलो गैस सिलेंडर की आपूर्ति बढ़ाने की मांग की है, ताकि उनकी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी हो सकें।

भिवंडी में गैस सिलेंडर संकट के साथ कोयला-लकड़ी महंगे

केरोसिन नहीं मिलने से महिलाओं में भारी नाराजगी

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच जारी तनाव का असर अब भिवंडी में भी दिखने लगा है। गैस की कमी और व्यावसायिक सिलेंडर आपूर्ति प्रभावित होने से छोटे होटल, चाय-नाश्ता ठेले और ढाबा संचालकों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। गैस के विकल्प के रूप में अब कोयला और लकड़ी का उपयोग बढ़ गया है, जिससे उनकी कीमतों में 15-20% तक बढ़ोतरी हो गई है। वर्तमान में पत्थर कोयला करीब 25 रुपये प्रति किलो, लकड़ी का कोयला 40 रुपये और जलाऊ लकड़ी 10 रुपये प्रति किलो बिक रही है। हालांकि इन साधनों पर खाना बनाना कठिन होने से होटल व्यवसाय भी प्रभावित हुआ है और

कई जगह सीमित खाद्य पदार्थ ही उपलब्ध हैं।

गैस संकट का असर चाय व्यवसाय पर भी पड़ा है। पहले जहां ग्राहकों की मांग के अनुसार स्पेशल चाय मिलती थी, अब अधिकतर होटलों में एक ही प्रकार की चाय उपलब्ध है। इधर सरकार द्वारा कुछ क्षेत्रों में केरोसिन वितरण का निर्णय लिया गया, लेकिन भिवंडी को इससे बाहर रखे जाने से महिलाओं में नाराजगी है।

उनका कहना है कि गैस के अभाव में खाना बनाना मुश्किल हो गया है, ऐसे में शहर को भी केरोसिन उपलब्ध कराया जाए।

महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवॉर्ड्स 2026 का भव्य समापन

मुंबई। महिंद्रा समूह द्वारा स्थापित और टीमवर्क आर्ट्स द्वारा प्रस्तुत महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवॉर्ड्स (मेटा) के 21वें संस्करण का समापन नई दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में एक भव्य अवॉर्ड्स नाइट के साथ हुआ, जिसके साथ भारत की समृद्ध और विविध थिएटर परंपराओं के इस यादगार संस्करण का एक खूबसूरत समापन हुआ।

19 से 25 मार्च 2026 तक आयोजित मेटा 2026 ने कमानी ऑडिटोरियम और श्रीराम सेंटर को जीवंत सांस्कृतिक मंचों में बदल दिया, जहां चयनित 10 नाटकों ने भारतीय रंगमंच की विविधता और सृजनात्मकता को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। ये प्रस्तुतियां 20 राज्यों, 100 से अधिक शहरों और 60 भाषाओं-बोलियों से आई 422 प्रविष्टियों में से चुनी गई थीं, जिनमें पौराणिक, सामाजिक, राजनीतिक और साहित्यिक विषयों का समृद्ध संगम देखने को मिला।

कमानी ऑडिटोरियम और श्रीराम सेंटर में रोजाना आयोजित प्रस्तुतियों के माध्यम से मेटा 2026 ने कलाकारों को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया, जहां उन्होंने ज्यूरी और थिएटर प्रेमियों के सामने अपनी प्रतिभा दिखाई। यह फेस्टिवल थिएटर की उत्कृष्टता को पहचान देने वाले एक प्रमुख और समावेशी मंच के रूप में उभरा। इस अवसर का मुख्य आकर्षण अमोल पालेकर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित करना रहा, जिन्होंने भारतीय थिएटर को अधिक सुलभ, आत्मीय और प्रयोगधर्मी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अवॉर्ड्स नाइट के उत्सवी माहौल में 'TAL FRY' की प्रस्तुति ने समारोह को और भी जीवंत बना दिया। इस म्यूजिकल समूह ने विभिन्न वाद्य यंत्रों और आकर्षक लाइट डिजाइन के साथ कर्नाटक और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपराओं को खूबसूरती से प्रस्तुत किया। उनकी ऊर्जावान प्रस्तुति ने शाम में नई जान फूंकते हुए भारतीय परफॉर्मिंग आर्ट्स की विविधता और गतिशीलता को प्रभावी ढंग से उजागर किया।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट और कल्चरल आउटरीच के हेड जय शाह ने कहा, मेटा 2026 ने एक बार फिर भारतीय थिएटर की प्रतिभा और रचनात्मक साहस को उजागर किया है। इस वर्ष देशभर से आई विविध कहानियों और प्रस्तुतियों ने यह साबित किया कि थिएटर सोच को प्रेरित करने, संवेदनशीलता बढ़ाने और सार्थक संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने अमोल पालेकर के जीवनभर के योगदान को सम्मानित किए जाने को सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक बताया। टीमवर्क आर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और फेस्टिवल प्रोड्यूसर संजॉय के. रॉय ने कहा, ने कहा कि मेटा 2026 ने भारतीय थिएटर की असाधारण विविधता और मजबूती का उत्सव मनाया। सात दिनों में फेस्टिवल ने दस उत्कृष्ट प्रस्तुतियों को मंच पर लाकर भाषाओं, परंपराओं और समकालीन विषयों की समृद्ध झलक पेश की। उन्होंने कहा कि अवॉर्ड्स नाइट केवल समापन नहीं, बल्कि उन कलाकारों, डिजाइनरों, लेखकों और निर्देशकों का उत्सव भी है, जो भारत में कहानी कहने और प्रस्तुति की सीमाओं को लगातार विस्तार दे रहे हैं।

महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवॉर्ड्स (मेटा) के फेस्टिवल प्रोड्यूसर टीमवर्क आर्ट्स के सीनियर वाइस प्रसीडेंट सूरज ढींगरा ने कहा, महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवॉर्ड्स (मेटा) के फेस्टिवल प्रोड्यूसर और Teamwork Arts के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सूरज ढींगरा ने कहा कि मेटा 2026 एक संतोषजनक यात्रा रही, जिसने देशभर के रंगकर्मियों को एक मंच पर लाया। उन्होंने बताया कि इस फेस्टिवल की खासियत केवल विविध कहानियां नहीं, बल्कि उन्हें साकार करने में लगने वाला अनुशासन, सहयोग और समर्पण भी है।

यह आयोजन जहां पहचान का मंच है, वहीं कलाकारों, दर्शकों और पेशेवरों के बीच संवाद को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने सभी प्रतिभागी टीमों का आभार व्यक्त करते हुए इसे भारतीय थिएटर का जीवंत और यादगार उत्सव बताया। अवॉर्ड्स शो में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड सहित विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को सम्मानित किया गया। मिथ्यासुर के लिए उजागर ड्रामेटिक एसोसिएशन और वेद सत्पथी को बेस्ट प्रोडक्शन का पुरस्कार मिला, जबकि जे जनलगुलोर आकाश छिलो के लिए सौरव पलोधी को बेस्ट डायरेक्टर और स्टेज डिजाइन का सम्मान मिला।

MMR बना देश का टॉप हाउसिंग मार्केट, 2025 में 1.33 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री

मुंबई। CREDAI–Liases Foras रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (MMR) 2025 में भारत का सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला आवासीय बाजार बनकर उभरा, जहां प्रीमियम और मिड-इनकम हाउसिंग सेगमेंट में लगातार मजबूत मांग देखी गई।

ग्रेटर मुंबई ने इस प्रदर्शन में प्रमुख भूमिका निभाई और देश में सबसे अधिक आवासीय बिक्री मूल्य 1,33,005 करोड़ रुपये दर्ज किया। मांग मुख्य रूप से उच्च-मूल्य सेगमेंट में केंद्रित रही, जिसमें 2 करोड़ रुपये-5 करोड़ रुपये श्रेणी ने कुल बिक्री में सबसे बड़ा योगदान दिया। सप्लाई ट्रेंड्स से पता चलता है कि 1 करोड़ रुपये-5 करोड़ रुपये रेंज में 2BHK यूनिट्स की मजबूत मांग है, जबकि 1BHK यूनिट्स मुख्य रूप से 50 लाख रुपये-2 करोड़ रुपये सेगमेंट में केंद्रित हैं। ग्रेटर मुंबई के बाजार में 1,581 बिल्डर्स द्वारा विकसित 2,663 प्रोजेक्ट्स शामिल हैं, जहां लगभग 20 महीनों का इन्वेंट्री उपलब्ध है, जो मांग और सप्लाई के बीच एक स्थिर लेकिन विकसित होता संतुलन दर्शाता है।

2025 में MMR में कीमतों में वृद्धि स्थिर रही। ग्रेटर मुंबई में HPI 3.4% दर्ज किया गया, जो मजबूत आर्थिक आधार और निरंतर रियल एस्टेट मांग के चलते सुधार और स्थिर वृद्धि को दर्शाता है।

MMR के भीतर, ठाणे और नवी मुंबई क्षेत्रीय विस्तार को आगे बढ़ा रहे हैं, जिन्हें बेहतर कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास का समर्थन मिल रहा है। दोनों बाजारों में 2025 में HPI 4.5% दर्ज किया गया, जो स्थिर मांग और बढ़ती हाउसिंग गतिविधि को दर्शाता है। ठाणे में अपर मिड-इनकम और प्रीमियम सेगमेंट में मजबूत मांग देखी गई, जबकि नवी मुंबई में मिड-इनकम और उभरते प्रीमियम सेगमेंट में मांग वितरित रही।

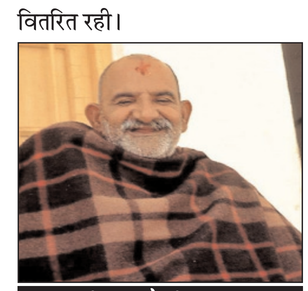

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जौनपुर-बदलापुर हाईवे पर कोयले से लदा ट्रक पलटा, मची अफरा-तफरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 731 (जौनपुर-सुल्तानपुर मार्ग) पर कलिंजरा मोड़ के पास एक अनियंत्रित ट्रक पलटने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि कोयले से लदा यह ट्रक सुल्तानपुर की ओर जा रहा था, तभी कलिंजरा मोड़ के समीप चालक ने नियंत्रण खो दिया और ट्रक सड़क किनारे पलट गया। ट्रक कोयले से भारी मात्रा में लदा हुआ था। मोड़ पर असंतुलित होने के कारण यह हादसा हुआ।

ट्रक पलटने के बाद भारी मात्रा में कोयला सड़क किनारे फैल गया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी बड़े जान-माल के नुकसान की तत्काल सूचना नहीं मिली है, लेकिन मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और प्रशासन मौके पर पहुंचे। भारी-भरकम ट्रक को उठाने और रास्ता साफ करने के लिए हाइड्रा क्रेन को बुलाया गया है। क्रेन की मदद से ट्रक को सीधा करने और कोयले को हटाने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

डिब्बे में डीजल-पेट्रोल नहीं मिलेगा: जिलाधिकारी

डॉ.इम्तियाज अहमद /आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के कस्बा मानीकलां में पेट्रोल और डीजल लेने के लिए लम्बी लम्बी कतारें देखी जा रही हैं। हालांकि, सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है, फिर भी आम जनता में भय का माहौल बना हुआ

मानीकलां में तेल लेने वालों की लम्बी लम्बी कतारें

है।एक तरफ जहां भारत सरकार और राज्य सरकार लगातार यह कह रही हैं कि देश में किसी तरह की कोई समस्या नहीं है, वहीं दूसरी ओर जनता इन आश्वासनों को मानने को तैयार नहीं है। लोग अपनी जरूरत से ज्यादा ईंधन खरीद रहे हैं।जो लोग आमतौर पर सौ रुपये का पेट्रोल लेते थे, वे अब अपने दोपहिया वाहनों में पांच सौ रुपये का तेल डलवा रहे हैं। चार पहिया वाहन मालिक भी अपनी गाड़ियों की टंकी पूरी भरवा रहे हैं।पेट्रोल पंपों पर वाहनों में सीधे ईंधन भरवाने वालों के लिए तो कोई समस्या नहीं है, लेकिन किसानों और छोटे व्यापारियों के लिए नई परेशानी खड़ी हो गई है। उन्हें डिब्बे या अन्य पात्रों में डीजल-पेट्रोल नहीं मिल रहा है।किसानों के खेतों में गेहूं की फसल पककर तैयार है, जिसकी कटाई के लिए डीजल की आवश्यकता है। खेती के अन्य कार्यों के लिए भी इंजन को तेल चाहिए। प्याज की भराई के लिए भी दो से पांच लीटर डीजल की जरूरत पड़ती है।इस संबंध में जब किसान भाइयों से बात की गई तो उन्होंने कहा कि सरकार का हर आदेश मान्य है, लेकिन उन्हें खेती के प्रयोग के लिए डिब्बे में डीजल चाहिए। उनका कहना था कि वे अपना इंजन पेट्रोल पंप पर कैसे ले जाएंगे, उसके लिए उसमें पहिए लगवाने पड़ेंगे।इसी तरह आटा चक्की चलाने वाले व्यापारी भाइयों ने बताया कि उन्हें प्रतिदिन 18 से 20 लीटर डीजल की आवश्यकता होती है, आटा पीसने और सरसों के तेल की मशीन चलाने के लिए। वे अपनी आटा चक्की को पेट्रोल पंप पर नहीं ले जा सकते।

एक व्यापारी ने बताया कि एक दिन डिब्बे में डीजल न मिलने के कारण उनकी चक्की पूरे दिन नहीं चली, जिससे उनके रोजगार पर संकट के बादल छा गए हैं।जिलाधिकारी से अनुरोध है कि हम जैसे छोटे व्यवसायियों के लिए कोई न कोई वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जाए ताकि मेरे जैसे छोटे व्यवसायियों को कोई समस्या न हो और हम लोगों का जीवन यापन चलता रहे।

हमें विश्वास है कि देश के महान नेताओं में अखिलेश यादव का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने शनिवार को जारी एक प्रेस वक्तव्य में कहा कि भारत के इतिहास में जिन महान शासकों ने सुशासन, न्याय, समानता और सर्वधर्म समभाव की मिसाल पेश की, उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का स्पष्ट संकल्प अखिलेश यादव में दिखाई देता है।

उन्होंने ऐतिहासिक शासकों का उल्लेख करते हुए अखिलेश यादव की नीतियों और कार्यशैली की तुलना प्राचीन और मध्यकालीन भारत के प्रमुख शासकों से की।

चंद्रगुप्त मौर्य की शासन प्रणाली से तुलना: चंद्रगुप्त मौर्य ने एक सशक्त, संगठित और जनहितकारी शासन व्यवस्था स्थापित की थी, जिसमें प्रशासनिक दक्षता और जनकल्याण सर्वोपरि था। इसी प्रकार अखिलेश यादव के कार्यकाल में विकास, सुशासन और पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) को भागीदारी दिलाने का प्रयास आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसी सोच की झलक देता है।

अशोक महान की नीति और आधुनिक दृष्टिकोण: अशोका ने धम्म की नीति अपनाकर शांति, करुणा और सर्वजन कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। अखिलेश यादव ने भी अपने शासनकाल में समाज के सभी वर्गों के लिए योजनाएं लागू कर भाईचारे और सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना को साकार करने का प्रयास किया। शेरशाह सूरी के विकास कार्यों से समानता ने सड़क, डाक व्यवस्था और शेर शाह सूरी प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से विकास की मिसाल कायम की। इसी क्रम में अखिलेश यादव के कार्यकाल में एक्सप्रेसवे, आधुनिक बुनियादी ढांचा, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए गए।

अकबर की सुलह-ए-कुल नीति और सामाजिक सौहार्द: अकबर ने सुलह-ए-कुल के सिद्धांत के माध्यम से सभी धर्मों को सम्मान देने की नीति अपनाई। उसी दिशा में अखिलेश यादव ने सर्वधर्म समभाव, सामाजिक सौहार्द और वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने की दिशा में कदम उठाए।

भविष्य की परिकल्पना: मोहम्मद अरशद खान ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2027 में अखिलेश यादव पुनः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनकर विकास और भाईचारे की अवधारणा को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में प्रधानमंत्री के रूप में भी वे देश को एक विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

अंत में उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इतिहास में चंद्रगुप्त मौर्य, अशोका, शेर शाह सूरी और अकबर जैसे शासकों का नाम अग्रिम पंक्ति में दर्ज है, उसी प्रकार आने वाले समय में अखिलेश यादव का नाम भी महान शासकों में शामिल होगा।

अधिकारों और सम्मान के लिए संसद से लेकर हर मंच पर आवाज उठाता रहूंगा: बाबू सिंह कुशवाहा

लोकसभा में गूंजा प्रजापति समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने का मुद्दा

सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने निभाया वादा, प्रजापति महासभा के जिलाध्यक्ष ने जताया सांसद का आभार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोकसभा में जौनपुर के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने प्रजापति समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने का मुद्दा उठाकर अपने चुनावी वादे को पूरा करने की दिशा में अहम कदम बढ़ाया है। उनके इस प्रयास से प्रजापति समाज में खुशी की लहर दौड़ गई है। प्रजापति महासभा जौनपुर के अध्यक्ष ने प्रजापति समाज की ओर से सांसद का आभार जताते हुए इसे समाज के उत्थान की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण, सकारात्मक एवं सार्थक कदम बताया है।

जौनपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने संसद में प्रजापति समाज को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने की मांग को प्रमुखता से उठाया। यह मुद्दा उन्होंने चुनाव के दौरान प्रजापति समाज से किए गए वादे के तहत उठाया, जिसे लेकर समाज के लोगों में लंबे समय से अपेक्षा थी।

प्रजापति महासभा जौनपुर (उत्तर प्रदेश) के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार प्रजापति एडवोकेट को दिए गए आश्वासन के अनुरूप सांसद ने इस विषय को लोकसभा में प्रस्तुत कर समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। इस कदम से जौनपुर सहित पूरे प्रदेश के प्रजापति समाज में उत्साह का माहौल है। समाज के लोगों ने सांसद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सांसद ने कहा कि उन्होंने चुनाव के समय प्रजापति समाज से जो वादा किया था, उसे निभाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाज के अधिकारों और सम्मान के लिए मैं संसद से लेकर हर मंच पर आवाज उठाता रहूंगा। प्रजापति समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने का मुद्दा पूरी मजबूती से रखा गया है और आगे भी इस दिशा में प्रयास जारी रहेंगे। प्रजापति समाज जौनपुर ने सांसद के इस प्रयास पर उनका हार्दिक अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया है और उम्मीद जताई है कि जल्द ही इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

डिजिटल परिवर्तन के दौर में नवाचार और समन्वय की आवश्यकता: प्रो.वंदना सिंह

विश्वविद्यालय में 'भारतीय कॉर्पोरेट कार्यप्रणाली में उभरते मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

◆ दो दिवसीय आयोजन में देश भर से जुटे विद्वान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कॉरपोरेट प्रणाली में उभरते मुद्दे एवं चुनौतियांह्व विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत शनिवार को विश्वविद्यालय के अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में हुई । इस संगोष्ठी में देशभर से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया और समकालीन विषयों पर अपने विचार साझा किए।

उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर के कुलपति प्रो. योगेश उपाध्याय ने कहा कि आज विश्व भारतीय प्रतिभा को सम्मान दे रहा है, परंतु साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव ने नई चुनौतियों को जन्म दिया है। भारतीय समाज में ईमानदारी और आपसी विश्वास की सुदृढ़ परंपरा रही, किंतु समय के साथ इसमें गिरावट आई है, जिस पर गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है।

उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए बताया कि पहले श्रम की आवश्यकता के लिए लोगों को विभिन्न देशों में भेजा गया, बाद में मशीनों ने मानव श्रम का स्थान लिया और अब बुद्धिमत्ता के स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा तीव्र हो गई है। उनके अनुसार, यह प्रतिस्पर्धा केवल मनुष्य और मशीन के बीच नहीं, बल्कि एक नई प्रजाति के उभरने का संकेत है, जिसका प्रभाव भविष्य में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देगा। कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से व्यक्तिगत स्तर पर रचनात्मकता और नवाचार को बल मिला है, जिससे लोग कम समय में अनेक नए विचार उत्पन्न कर पा रहे हैं। हालांकि, समूह स्तर पर इसके उपयोग से कार्यों

में एकरूपता बढ़ रही है, जिससे मौलिकता और विविधता प्रभावित होने की आशंका भी है।

अध्यक्षीय संबोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि आज का समय डिजिटल परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और बदलते कार्यबल की चुनौतियों से भरा है, जो नवाचार और उत्तरदायी नेतृत्व के नए अवसर भी देते हैं। उन्होंने संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए विभिन्न प्रबंधन क्षेत्रों के समन्वय पर बल दिया और कॉरपोरेट क्षेत्र को आर्थिक विकास के साथ सामाजिक परिवर्तन का भी प्रमुख माध्यम बताते हुए शिक्षा, उद्योग और नीति-निमार्ताओं के बीच संवाद की आवश्यकता बताई।

विशिष्ट अतिथि निदेशक, प्रबंधन संस्थान, बीएचयू प्रो. आशीष बाजपेई ने कहा कि भारतीय कॉरपोरेट सेक्टर अच्छा काम कर रहा है, लेकिन आज विश्वसनीयता का ह्रास चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि धर्म से दूरी के कारण कॉरपोरेट और उपभोक्ता के बीच विश्वास कम हुआ है। ऐसे में कॉरपोरेट नेतृत्व की सोच सकारात्मक और नैतिक होना जरूरी है।

इसी क्रम में अतिथि प्रो. एस. रामनाथन, पूर्व डीन प्रबंधन, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चेन्नई ने कहा कि लाभ ही व्यवसाय का एकमात्र उद्देश्य नहीं होना चाहिए। प्रत्येक संगठन चाहे वह गाँव की छोटी सहकारी समिति हो या बड़ी कंपनी को अपने वित्त का कुशल प्रबंधन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट फाइनेंस, व्यावसायिक अर्थशास्त्र एवं नीतियों में सरकार और व्यवसाय के समन्वय की भूमिका महत्वपूर्ण है। संगोष्ठी में प्लेनरी व्याख्यान आयोजित हुए जिसमें आईआईआईटी, प्रयागराज प्रो. रंजीत सिंह ने कहानी के माध्यम से स्पष्ट किया कि कृतिम बुधिमत्ता स्वयं ज्ञानी नहीं है, बल्कि यह मानव द्वारा दिए गए डेटा पर निर्भर करता है। तकनीकी सत्रों में देश के विभिन्न भागों से आये हुए प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्वागत एवं विषय प्रवर्तन संयोजक प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर ने किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. आशुतोष के. सिंह ने किया। इस अवसर पर पूर्व कुलपति प्रोफेसर पीसी पतंजलि, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. मुराद अली, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. एच सी पुरोहित, प्रो. एस के सिन्हा, प्रो. अजय वाघ, प्रो. अमित सिंह, प्रो. रुम्की बनर्जी, प्रो. खुशेन्द्र मिश्र, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. बीएल आर्य, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. अन्नू त्यागी समेत अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, दो घायल

जौनपुर-केराकत हाईवे स्थित प्रसाद तिराहे के पास की घटना

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर-केराकत हाईवे स्थित प्रसाद तिराहे के पास एक अज्ञात तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को सामने से टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बता दे की जफराबाद थाना क्षेत्र के सम्मोपुर कला गांव के प्रदीप यादव अपनी बाइक से शुक्रवार की रात अपने भतीजे अंश यादव के साथ किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चौकियां धाम की तरफ जा रहे थे, देर शाम लगभग 7:30 बजे के करीब विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने सामने से टक्कर मार दिया। टक्कर के बाद बाइक सवार प्रदीप यादव और अंश सड़क पर जा गिरे जिसमें बाइक चला रहे हैं प्रदीप यादव 28 का सर फट गया वहीं अंश यादव 13 भी घायल हो गया। दोनों घायलों को स्थानीय लोगों ने तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। वहीं प्रदीप की ज्यादा चोट लगने की वजह से जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने रेफर कर दिया।

थाना प्रभारी गौराबादशाहपुर प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि यदि घायलों के परिजनों द्वारा कोई प्रार्थना पत्र दी जाती है तो अज्ञात कार चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

सड़क किनारे खड़ी बाइक चोरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के पलिया गांव में एक युवक की बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने शुक्रवार को थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

थाना क्षेत्र के गांव निवासी आसिफ पुत्र हाशिम ने तहरीर देकर बताया कि उनकी बाइक शुक्रवार की सुबह घर के सामने खड़ी थी। कुछ देर बाद जब वह बाहर निकले तो बाइक वहां से गायब मिली।

पीड़ित ने अपने स्तर पर आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर चोर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग अपनी गाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। थानाध्यक्ष यजुवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हो गई है। पुलिस बाइक की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर में रिचार्ज के बाद भी कम बैलेंस दिखने से उपभोक्ता परेशान

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लागू होने के बाद बड़ी संख्या में उपभोक्ता एक आम समस्या का सामना कर रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि रु.500 या रु.1000 का रिचार्ज करने के बावजूद मीटर में बैलेंस बेहद कम या कई बार नेगेटिव दिख रहा है, जिससे भ्रम और नाराजगी की स्थिति बन रही है।

क्या है पूरा मामला ?: यह समस्या खासतौर पर उन उपभोक्ताओं के साथ सामने आ रही है जिनका कनेक्शन हाल ही में पोस्टपेड से प्रीपेड में बदला गया है। विभागीय जानकारी के अनुसार, रिचार्ज की पूरी राशि सीधे बैलेंस में नहीं जाती, बल्कि उसका एक हिस्सा पुराने बकाये और अन्य समायोजन में स्वतः कट जाता है।

पुराने बकाये की कटौती मुख्य कारण: बिजली विभाग के नियमों के मुताबिक, यदि उपभोक्ता पर पुराना बकाया है तो हर रिचार्ज से 10% से 25% तक की राशि स्वतः काट ली जाती है। यह कटौती उपभोक्ता के बकाया बिल को समायोजित करने के लिए की जाती है।

नेगेटिव बैलेंस भी बड़ी वजह: यदि मीटर में पहले से नेगेटिव बैलेंस है, तो नया रिचार्ज पहले उसी को समायोजित करता है। उदाहरण के तौर पर, अगर बैलेंस रु.2000 है और उपभोक्ता रु.1500 का रिचार्ज करता है, तो बैलेंस अभी भी रु.500 रहेगा और बिजली सप्लाई बहाल नहीं होगी।

इमरजेंसी क्रेडिट और ग्रेस पीरियड: प्रीपेड मीटर में 3 दिन का इमरजेंसी क्रेडिट मिलता है, जिसमें बैलेंस खत्म होने के बाद भी बिजली चालू रहती है। इसके अलावा, प्रीपेड में परिवर्तन के बाद 30 दिन का एक बार का ग्रेस पीरियड भी दिया जाता है।

सिक्योरिटी डिपॉजिट का समायोजन: कई उपभोक्ता सिक्योरिटी डिपॉजिट को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं। विभाग का कहना है कि यह राशि अंतिम पोस्टपेड बिल में स्वतः समायोजित कर दी जाती है या बची हुई राशि प्रीपेड बैलेंस में जोड़ दी जाती है।

विभाग की अपील: बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने पुराने बकाये की जानकारी लें और नियमित रूप से पर्याप्त रिचार्ज करें, ताकि बिजली आपूर्ति बाधित न हो।

निष्कर्ष: स्मार्ट प्रीपेड मीटर में कम बैलेंस दिखने का मुख्य कारण पुराने बकाये, नेगेटिव बैलेंस और स्वचालित कटौती है। उपभोक्ताओं को इन नियमों की जानकारी होना बेहद जरूरी है, ताकि वे किसी भी भ्रम से बच सकें।

आगरा में मासूम की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर, पुलिस एसआई घायल

आगरा (उत्तरशक्ति)। आगरा में 8 साल की मासूम बच्ची की निर्मम हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया। शुक्रवार देर रात हुई इस मुठभेड़ में एक पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भी गोली लगने से घायल हो गए, जिनका इलाज जारी है।

क्या है पूरा मामला ?: ताजगंज थाना क्षेत्र के सिद्धार्थ नगर निवासी जूता कारोबारी दिनेश कुमार की 8 वर्षीय बेटी प्रज्ञा 24 मार्च 2026 को अचानक लापता हो गई थी। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की। करीब 28 घंटे बाद बच्ची का शव घर में किराए पर रहने वाले आरोपी सुनील के कमरे में रखे आटे के ड्रम से बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि बच्ची की गला काटकर हत्या की गई थी।

एनकाउंटर कैसे हुआ ?: डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास के मुताबिक, आरोपी सुनील पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था और उसकी तलाश में करीब 70 पुलिसकर्मी जुटे थे। 250 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और 22 लोगों से पूछताछ की गई।

शुक्रवार देर रात थाना बमरौली कटारा क्षेत्र में पुलिस को आरोपी की सटीक लोकेशन मिली। घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें रक विश्वजीत राणा घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में आरोपी सुनील को गोली लगी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बरामदगी: पुलिस ने आरोपी के पास से एक बाइक, एक तमंचा, 6 खोखे और 3 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

एनकाउंटर पर बवाल: शनिवार सुबह जैसे ही एनकाउंटर की खबर फैली, सिद्धार्थ नगर और ताजगंज थाने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने आरोपी का चेहरा सार्वजनिक करने की मांग की और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की। पुलिस हालात को संभालने और लोगों को समझाने में जुटी रही।

निष्कर्ष: इस दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। पुलिस की कार्रवाई के बावजूद स्थानीय लोगों में आक्रोश बना हुआ है और मामले को लेकर पारदर्शिता की मांग की जा रही है।

एनआईसी में नई भर्ती और निजीकरण के खिलाफ संघर्ष का ऐलान, वाराणसी में यूनियन की बड़ी बैठक

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में एलआईसी यूनियन नार्थ सेंट्रल जोन इंश्योरेंस एंप्लॉइज फेडरेशन (NCZIEF) की विस्तारित सचिव मंडल बैठक में नई भर्ती सुनिश्चित कराने और निजीकरण के खिलाफ संघर्ष तेज करने का ऐलान किया गया। बैठक में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से आए प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों के अधिकार, वेतन वृद्धि और कार्य व्यवस्था सुधार जैसे मुद्दों पर जोरदार चर्चा की।

75 प्रतिनिधियों ने भाग लेकर रखे अपने विचार: शनिवार, 28 मार्च 2026 को भेलूपुर स्थित एलआईसी मंडल कार्यालय के स्पोर्ट्स क्लब हॉल में आयोजित इस बैठक में करीब 75 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने और कर्मचारियों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने पर अपने विचार साझा किए।

2026 को 'नई भर्ती वर्ष' बनाने का निर्णय बैठक का शुभारंभ प्रदेश महामंत्री राजीव निगम के उद्घाटन भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि

एलआईसी में कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए वर्ष 2026 को ह्लनई भर्ती वर्षह्व के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। खासतौर पर क्लास थ्री और फोर श्रेणी में नई भर्तियां कराने के लिए यूनियन लगातार प्रयास कर रही है, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें।

निजीकरण और एफडीआई के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान: राजीव निगम ने एलआईसी में वेतन वृद्धि, आईपीओ, एफडीआई और निजीकरण के दौर में कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत रखते हुए ही कर्मचारियों के अधिकार सुरक्षित रखे जा सकते हैं।

आधुनिक कार्यालय व्यवस्था पर भी दिया जोर: बैठक में एलआईसी कार्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने और कार्य व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी चर्चा हुई।प्रतिनिधियों ने कहा कि कर्मचारियों को बेहतर माहौल और सुविधाएं मिलनी चाहिए, जिससे कार्यक्षमता में वृद्धि हो सके।

अध्यक्ष नारायण चटर्जी का बयान: अध्यक्ष नारायण चटर्जी ने कहा कि एलआईसी देश की सबसे बड़ी बीमा संस्था है और इसमें कर्मचारियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नई भर्तियां सुनिश्चित कराने, बेहतर वेतन और सुविधाएं दिलाने तथा निजीकरण जैसी नीतियों से कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन लगातार संघर्ष करता रहेगा।

नियम की अनदेखी, शराब की बिक्री, बना चर्चा का विषय

अनवर हुसैन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कुछ मिले या न मिले लेकिन शराब आपको 24 घंटे कभी भी मिल सकती है। आपको बता दे कि जौनपुर शहर के भंडारी स्टेशन के पास एक शराब की दुकान पर शटर के नीचे से शराब बिक्री का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है, कि कैसे एक ग्राहक आता है, और शटर के नीचे शराब खरीद कर लेकर चला जाता है। जबकि नियमों के अनुसार शराब की दुकान का समय सुबह 10 से रात्रि 10 तक होता है। लेकिन कुछ दुकानदारों ने इस नियम को ठेंगा दिखाते हुए शराब की अवैध तरीके से बिक्री करते नजर आ रहे है। अब सवाल यह उठता है कि क्या आबकारी विभाग नियम की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई करता है। या इसी तरह दुकानदार नियमों को ताक पर रखते हुए शराब बिक्री करते रहेंगे। ये अपने आप में एक बड़ा सवाल है। इस सम्बन्ध में डीईओ विष्णु प्रताप और आबकारी इंस्पेक्टर अबुल कैस से फोन पर संपर्क किया गया, लेकिन किसी कारणवश फोन रिसीव नहीं हो पाया।

युवती लापता, गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से एक युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गयी। इस संबंध में परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन में जुटी हुई है। युवती के पिता ने बताया कि 25 मार्च की रात बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई। काफी तलाश और रिश्तेदारों में पूछताछ के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों को आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसे बहला-फुसलाकर शादी की नीयत से अपने साथ लेकर चला गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य शासी निकाय व संचारी रोग नियंत्रण अभियान की बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य शासी निकाय, संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा दस्तक अभियान की द्वितीय अंतर्विभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। जिलाधिकारी ने निष्प्रयोज्य वाहनों को कंडम घोषित करने, स्वास्थ्य केंद्रों पर बेडशीट को कलर कोड के अनुसार बदलने तथा मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। साथ ही एंबुलेंस सेवा, इमरजेंसी मेडिकल ट्रांसपोर्ट सिस्टम और आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा करते हुए विशेष रूप से 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड शत-प्रतिशत बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को मुख्य सचिव द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान में जनपद की रैंकिंग प्रभावित नहीं होनी चाहिए। पंचायती राज एवं नगर विकास विभाग को साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, जल निकासी, फॉगिंग तथा एंटीलार्वा रसायनों के छिड़काव में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए।

बेसिक शिक्षा अधिकारी और डीआईओएस को स्कूलों में छात्र-छात्राओं को डेंगू, मलेरिया, कुष्ठ, टीबी और फ्लू जैसी बीमारियों के कारण, लक्षण और बचाव के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए। पशुपालन विभाग को शूकर पालकों को साफ-सफाई और कीटनाशक छिड़काव के प्रति जागरूक करने तथा कृषि विभाग को किसानों को चूहा-छछूंदर से बचाव के उपाय बताने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग और आईसीडीएस को समन्वय स्थापित कर आशा व आंगनवाड़ी कार्यकताओं के माध्यम से बुखार, डेंगू, मलेरिया, टीबी, कुष्ठ के मरीजों और कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनके उपचार की त्वरित व्यवस्था करने तथा आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रभात कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव यादव सहित स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत, नगर विकास, कृषि एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जौनपुर में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य, घबराने की जरूरत नहीं: जिला पूर्ति अधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला पूर्ति अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद जनपद के 275 पेट्रोल पंपों के माध्यम से डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति सुचारु रूप से जारी है। प्रशासन द्वारा लगातार ऑयल डिपो से आपूर्ति सुनिश्चित कराई जा रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि 28 मार्च 2026 को जनपद के पेट्रोल पंपों पर 1389 किलोलीटर डीजल एवं 1155 किलोलीटर पेट्रोल का स्टॉक उपलब्ध है। हालांकि 27 मार्च को सामान्य दिनों की तुलना में अधिक बिक्री होने के कारण 16 पेट्रोल पंपों पर अस्थायी रूप से स्टॉक समाप्त हो गया था, लेकिन ऑयल कंपनियों के माध्यम से वहां आपूर्ति पुनः शुरू करा दी गई है। जिला पूर्ति अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में ईंधन की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को लगातार उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि अनावश्यक रूप से पेट्रोल पंपों पर भीड़ न लगाएं और जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल लें। साथ ही किसी भी प्रकार के भंडारण या संग्रहण से बचें और अफवाहों पर ध्यान न देते हुए केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

साजिश का शिकार या सच्चाई से बचाव? आनंद कुमार एडवोकेट ने खोले कई राज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के चर्चित जमीन विवाद में अब कहानी ने नया और विवादित मोड़ ले लिया है। आरोपों में घिरे आनंद कुमार एडवोकेट ने सामने आकर पूरे मामले को साजिश करार दिया है और कई गंभीर खुलासे किए हैं। आनंद कुमार का साफ कहना है कि उन पर लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह निराधार और मनगढ़ंत हैं। उनके अनुसार, आरोप लगाने वाली छात्रा उनके ही रिश्ते की भतीजी है और इस पारिवारिक विवाद को जानबूझकर गलत दिशा दी जा रही है। उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि इस पूरे मामले के पीछे भूमाफिया राज और उसका भाई कौशल का हाथ बताया जा रहा है, जो रिश्तेदारी में ही आते हैं और जमीन पर कब्जे की नीयत से उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। एडवोकेट आनंद कुमार ने यह भी बताया कि मामला कोई नया नहीं है तकरीबन साल 2014 में छात्रा के पिता की मृत्यु हुई और 2019 में मुकदमा दर्ज कराया गया। अब तक इस मामले में 9 बार फाइनल रिपोर्ट (FR) लग चुकी है, जिससे साफ होता है कि आरोपों में दम नहीं है। उनका कहना है कि बार-बार झूठे आरोप लगाकर उन्हें कानूनी जाल में फंसाने और जमीन हड़पने की साजिश रची जा रही है। अब सबसे बड़ा सवाल क्या सच में यह एक सोची-समझी साजिश है, या फिर इस विवाद के पीछे छुपी है कोई और बड़ी सच्चाई।

वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन बजट 2026-27, झीलों की नीलामी से राजस्व बढ़ाने का प्रस्ताव

वसई रोड। वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की आम सभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष मनोज पाटिल ने बजट में कई महत्वपूर्ण मुद्दों और विसंगतियों की ओर प्रशासन तथा महापौर अजीव पाटिल का ध्यान आकर्षित किया। मनोज पाटिल ने शहर के समग्र विकास और नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वित्तीय प्रावधानों को अधिक प्रभावी बनाने की मांग की। उन्होंने निगम के राजस्व में वृद्धि हेतु कुछ नवीन प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए।

उन्होंने विशेष रूप से वसई-विरार क्षेत्र की झीलों की वर्तमान स्थिति का मुद्दा उठाया। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में लगभग 150 झीलें हैं, जिनमें से केवल गैस गांव में ही 22 झीलें स्थित हैं, जबकि उमराले और करमाले क्षेत्रों में भी कई झीलें मौजूद हैं। पाटिल ने बताया कि पिछले कई वर्षों से इन झीलों का कोई आधिकारिक ऑक्शन नहीं किया गया है, जिसके कारण मछली पालन से निगम को कोई राजस्व प्राप्त नहीं हो रहा। उन्होंने सुझाव दिया कि वर्तमान में अनौपचारिक रूप से चल रही मछली पकड़ने की गतिविधियों को नियमित टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से नीलाम किया जाए, जिससे निगम की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। महापौर अजीव पाटिल ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि झीलों के उपयोग और नीलामी की प्रक्रिया को औपचारिक रूप देने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

मनोज पाटिल ने सामान्य प्रशासन के अंतर्गत वाहनों पर हो रहे बढ़ते खर्च पर भी चिंता व्यक्त की। बजट में प्रशासनिक वाहनों एवं भत्तों पर लगभग 20 करोड़ रुपये तथा वाहन मरम्मत पर 179 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान जताया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि निगम के पास अपने वाहन उपलब्ध हैं, तो ड्राइवर, ईंधन और रखरखाव के अतिरिक्त मरम्मत पर इतना अधिक खर्च क्यों किया जा रहा है। इस पर महापौर ने सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि वाहनों की खरीद के बजाय उन्हें किराये पर लेना अधिक किफायती विकल्प हो सकता है। साथ ही, केवल आवश्यक वाहनों की खरीद पर ही विचार करने का सुझाव भी सामने आया।

महापौर अजीव पाटिल एवं प्रशासन ने नेता प्रतिपक्ष द्वारा प्रस्तुत सभी सुझावों का स्वागत किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के विकास हेतु आवश्यक क्षेत्रों में बजट प्रावधान बढ़ाए जाएं तथा अनावश्यक खर्चों में तत्काल कटौती की जाए।

ब्लैकमेल और धमकी मामले में आरोपी दबोचा, हंगामे से पहले ही कार्रवाई

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में कमिश्नरेट क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चेतगंज पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आयुक्त के निर्देशन और काशी जोन के अधिकारियों की निगरानी में थाना चेतगंज पुलिस टीम ने मुकदमे में नामजद मनोज कुमार पाठक को हिरासत में लिया। जानकारी के अनुसार, आरोपी के खिलाफ एक महिला ने ब्लैकमेल करने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया था। इस संबंध में थाना चेतगंज में मुकदमा दर्ज किया गया था। पूछताछ के लिए थाने बुलाए जाने पर आरोपी ने पीड़िता को देखकर अपना आपा खो दिया और मारपीट पर उतारू हो गया। स्थिति को गंभीर होते देख और शांति व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस पूरी कार्रवाई में थाना चेतगंज पुलिस टीम की सक्रियता और सूझबूझ देखने को मिली, जिससे समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और किसी बड़ी घटना को टाल दिया गया।

आजमगढ़ जनपद के इस ब्लॉक में परीक्षा व्यवस्था फेल, 15 स्कूलों में नहीं पहुंचा गणित का पेपर

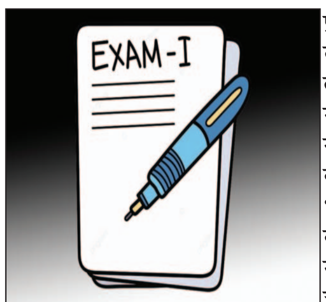

प्रश्नपत्र के इंतजार में बैठे रहे छात्र, शिक्षक भी रहे असमंजस में

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के विकासखंड जहानागंज में शनिवार को परिषदीय विद्यालयों में आयोजित कक्षा 5 और कक्षा 8 की गणित एवं सामाजिक विज्ञान की परीक्षा के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई। व्यवस्थागत खामियों के चलते 15 उच्च प्राथमिक (जूनियर) विद्यालयों में गणित का प्रश्नपत्र ही नहीं पहुंच सका, जिससे परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। जानकारी के अनुसार, ब्लॉक में कुल 103 प्राथमिक और 46 उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं। इनमें पूर्व माध्यमिक विद्यालय जहानागंज, खालसा, अमदही, मंदे, अफजलपुर, निजामपुर, अहिरौली, पारसी, ताड़ी, कलैला, फैजपुर, किशनपुर तथा कंपोजिट विद्यालय सोनापुर, करऊत और कादीपुर सहित कुल 15 विद्यालय ऐसे रहे, जहां गणित का पेपर नहीं पहुंचा। परीक्षा देने पहुंचे छात्र-छात्राएं प्रश्नपत्र का इंतजार करते रहे, जबकि शिक्षक भी असमंजस की स्थिति में नजर आए। कई स्थानों पर बच्चों को बिना परीक्षा दिए ही लौटना पड़ा। विशेष रूप से कंपोजिट विद्यालय कादीपुर में कक्षा 5 के 12 छात्रों में से केवल 7 को ही गणित का प्रश्नपत्र मिल पाया, जबकि शेष छात्र वंचित रह गए। इस लापरवाही को लेकर अभिभावकों में काफी नाराजगी देखी गई। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने और बच्चों का शैक्षणिक नुकसान न हो। खंड शिक्षा अधिकारी नवनीत कुमार चौबे ने बताया कि सभी प्रश्नपत्र जिला स्तर से विद्यालयवार बाइंडिंग कर भेजे गए थे, लेकिन कुछ विद्यालयों में गणित के पेपर नहीं पहुंचे। उन्होंने कहा कि समस्या के समाधान के लिए वे जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय जा रहे हैं और जल्द ही आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस घटना ने परीक्षा की तैयारियों और प्रश्नपत्र वितरण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर पर योगा ग्रुप ने भक्ति भाव से मनाया रामनवमी का त्योहार

वसई (उत्तर शक्ति)। शक्ति उपासना के पावन पर्व चैत्र नवरात्र दौरान चारों तरफ भक्ति भाव के सागर में सनातन जनमानस गोता लगाता नजर आ रहा था। इसी क्रम में में रामनवमी के शुभ अवसर पर योगा ग्रुप के द्वारा दक्षिणमुखी बालाजी हनुमान मंदिर पर भजन कीर्तन और सुन्दर कांड का भव्य आयोजन किया गया था आस्था और भक्ति के इस आयोजन में योगा ग्रुप के सभी सदस्यों के साथ भारी संख्या में स्थानीय रहवासियों ने श्रद्धा भाव से भाग लेकर भक्तिमय वातावरण में हनुमान जी की स्नेह छाया में भगवान राम का दिव्य प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया। रामनवमी पर रामजन्मोत्सव का यह कार्यक्रम भजन, कीर्तन, सुंदरकांड, मंगल आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ। इस सुअवसर पर ऋषिनारायण राय,अजय सिंह ठाकुर,अमित सिंह,राधेश्याम सिंह,रमेश दूबे,जगदंबा प्रसाद,धीरेंद्र गुप्ता,अवधेश उपाध्याय,विनय सिंह,आई बी सिंह,अरुण कुमार उपाध्याय,संजय चौरसिया,नरेन्द्र सिंह फूफा,सुरेश फौजी, आर आर पांडे आदि सभी योगा ग्रुप के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

वसई में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा: विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने स्कूल को दिए ऑल इन वन प्रोजेक्टर सेट

वसई रोड। स्नेहा दुबे पंडि ने वसई विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अगाशी (वसई वेस्ट) स्थित काशीदास घेलाभाई हाई स्कूल को विधायक निधि से आधुनिक डिजिटल सुविधाएं प्रदान की गई हैं। अगाशी विरार अनार्ला शिक्षण संस्था द्वारा संचालित इस स्कूल को विधायक फंड से लगभग 6 लाख रुपये की लागत से 3 ह्यऑल इन वनह्न प्रोजेक्टर सेट दिए गए। इन प्रोजेक्टर सेट का उद्घाटन स्वयं विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने किया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक और इंटरैक्टिव शिक्षा प्रदान करना है। ऑडियो-विजुअल माध्यमों के जरिए पढ़ाई आसान होगी, जिससे छात्रों की समझ, सीखने की क्षमता और पढ़ाई में रुचि बढ़ने की उम्मीद है। कार्यक्रम में शिक्षण संस्था के प्रेसिडेंट एवं ट्रस्टी विकास वर्तक, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर उत्तम पाटिल, क्षितिज पाटिल और प्रिंसिपल अनघा चूरी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा वसई वेस्ट बोर्ड प्रेसिडेंट आशीष जोशी, विरार वेस्ट बोर्ड प्रेसिडेंट विशाल राउत और अन्य स्थानीय पदाधिकारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर छात्रों से डिजिटल शिक्षा का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की गई। साथ ही भविष्य में शिक्षा क्षेत्र को और बेहतर बनाने के लिए ऐसी सुविधाएं जारी रखने का संकल्प भी लिया गया।

प्रेम-प्रसंग बना मौत की साजिश,प्रॉपर्टी डीलर की हत्या कर डैम में फेंका शव

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां कथित प्रेम-प्रसंग का अंत बेहद खौफनाक तरीके से हुआ।

घोरावल कोतवाली क्षेत्र के नौगढ़वा गांव में एक प्रॉपर्टी डीलर की उसकी कथित प्रेमिका ने अपने पति और भांजे के साथ मिलकर बेरहमी से हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए शव को पत्थरों से बांधकर सिरसा डैम की गहरी खाई में फेंक दिया।

मृतक की पहचान चंदौली निवासी 50 वर्षीय कुंवार मौर्या के रूप में हुई है, जो प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। जानकारी के मुताबिक, 22 मार्च को वह अपने ड्राइवर रोहित के साथ सोनभद्र पहुंचे थे और अपनी कथित प्रेमिका लीलावती के घर ठहरे थे। लेकिन जिस घर में उन्होंने भरोसा किया, वहीं उनके खिलाफ मौत की साजिश रच दी गई।

इस पूरे मामले का चौंकाने वाला खुलासा मृतक के ड्राइवर रोहित ने किया। उसके अनुसार, घटना वाली रात लीलावती ने उसे जगाकर बताया कि उसने अपने पति और भांजे के साथ मिलकर कुंवार मौर्या की हत्या कर दी है। इसके बाद आरोपियों ने ड्राइवर को धमकाते हुए शव ठिकाने लगाने में मदद करने के लिए मजबूर किया। रोहित के मुताबिक, शव को कार की डिग्गी में रखकर सभी आरोपी सिरसा डैम पहुंचे, जहां भारी पत्थरों से बांधकर लाश को गहरी खाई में फेंक दिया गया।

इतना ही नहीं, ड्राइवर को इस घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। काफी दिनों तक डर के साए में रहने के बाद आखिरकार ड्राइवर ने हिम्मत दिखाई और चंदौली लौटकर मृतक के परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी।

इसके बाद कुंवार मौर्या के भाई की तहरीर पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए डैम में सर्च ऑपरेशन चलाया और शव बरामद कर लिया। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से ही मुख्य आरोपी महिला, उसका पति और भांजा फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। फिलहाल, यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर इस सनसनीखेज हत्याकांड का पूरा सच सामने लाया जाएगा।

घरेलू गैस की अवैध रिफिलिंग करते पकड़ा गया व्यक्ति, सिलेंडर व उपकरण जब्त

614 भरे सिलेंडरों की कालाबाजारी का खुलासा, वितरक व पार्टनर पर केस दर्ज कराने की संस्तुति

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद में पेट्रोलियम पदार्थों–पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी–की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए शासन के निर्देश पर चल रही छापेमारी और निरीक्षण अभियान में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर की गई कार्रवाई में मेहनगर क्षेत्र में एक व्यक्ति को घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग करते हुए पकड़ा गया। जांच के दौरान यह पाया गया कि एक व्यक्ति द्वारा घरेलू गैस सिलेंडरों से छोटे पेट्रोमैक्स सिलेंडरों में गैस भरने का कार्य रिफिलिंग नोजल (बांसुरी) के माध्यम से किया जा रहा था। मौके पर जांच-पड़ताल और दर्ज बयानों से स्पष्ट हुआ कि यह कार्य अवैध व्यापार के उद्देश्य से किया जा रहा था, जो द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियम) आदेश 2000 का उल्लंघन है। कार्रवाई के दौरान 14.2 किलोग्राम के 4 घरेलू इंडेन गैस सिलेंडर, 5 किलोग्राम के 3 छोटे सिलेंडर तथा रिफिलिंग मशीन जब्त कर ली गई। इस मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कराने के लिए थाना मेहनगर में तहरीर दी गई है। दूसरे मामले में लेदौरा स्थित एक इंडेन ग्रामीण वितरक के खिलाफ बड़े स्तर पर कालाबाजारी का मामला सामने आया है। जांच में पाया गया कि वितरक और उसकी सहभागी द्वारा 614 भरे हुए घरेलू व कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी की गई है, जो गंभीर आपराधिक कृत्य है।

निरीक्षण के दौरान गोदाम में केवल सीमित संख्या में सिलेंडर पाए गए, जिनमें एक भरा हुआ घरेलू सिलेंडर तथा बड़ी संख्या में खाली सिलेंडर शामिल थे। इनमें 14.2 किलोग्राम के 132 खाली सिलेंडर, 19 किलोग्राम के 37 कमर्शियल खाली सिलेंडर, 10 किलोग्राम के 23 कम्पोजिट सिलेंडर और 5 किलोग्राम के 30 छोटे सिलेंडर शामिल हैं। बरामद सभी सामग्री को नियमानुसार सुपुर्दगी में देकर सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस प्रकरण में संबंधित वितरक और उसकी सहभागी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु थाना अहिरौला में पूर्ति निरीक्षक द्वारा तहरीर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में गैस की कालाबाजारी और अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

टोल फ्री नंबर 14447 पर दे फसल नुकसान की जानकारी

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल क्षति की सूचना देने हेतु विभिन्न माध्यम उपलब्ध

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उप कृषि निदेशक ने अवगत कराया है कि गत दिनों हुए बेमौसम बरसात, ओलावृष्टि एवं चक्रवात से बीमित किसानों की फसलों में हुए नुकसान पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल क्षति की सूचना देने तथा योजनाओं के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए किसानों को विभिन्न डिजिटल माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं। अब किसान फसल नुकसान की तत्काल, 72 घण्टे के अंदर सूचना देने या जानकारी प्राप्त करने के लिए टोल फ्री नंबर 14447 का प्रयोग कर सकते हैं, इसके अतिरिक्त क्रॉप इंश्योरेंस एप और व्हाट्सएप चैट बाट नंबर 7065514447 के माध्यम से भी सूचना साझा की जा सकती है। कृषक योजनाओं से संबंधित आधिकारिक जानकारी के लिए फसल बीमा पोर्टल चउिइलण्हवअण्पद पर भी लॉगिन कर सकते हैं। इन सभी डिजिटल माध्यमों के अतिरिक्त यदि किसानों को फसल बीमा से संबंधित किसी भी समस्या का सामना करना पड़ता है तो वे उसके त्वरित समाधान के लिए अपने जनपद के उप कृषि निदेशक कार्यालय से संपर्क कर सकते

साथ ही जनपद में कार्यरत एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधि से भी सीधे संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। सरकार का उद्देश्य इन माध्यमों के जरिए किसानों को आपदा की स्थिति में समयबद्ध तरीके से राहत पहुंचाना और बीमा प्रक्रियाओं को अधिक सुलभ बनाना है।

स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट में संदिग्ध अपॉइंटमेंट, गैर-कानूनी कामों पर सवालिया निशान

-आदेश मिश्र

मुंबई। स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट के 'एस' डिवीजन में एक इंस्पेक्टर के अपॉइंटमेंट में गंभीर गड़बड़ी का आरोप लगा है। सूचना का अधिकार एक्टिविस्ट मनोहर जरियाल ने इस बारे में एक डिटेल्ड शिकायत दर्ज कराई है और दावा किया है कि संबंधित अपॉइंटमेंट गैर-कानूनी तरीके से किया गया था। अंधेरी में 'एस' डिवीजन में काम करने वाले इंस्पेक्टर के 28 फरवरी, 2026 को रिटायर होने के बाद यह पोस्ट खाली हो गई थी। जबकि नियमों के अनुसार एक अनुभवी अधिकारी को नियुक्त किए जाने की उम्मीद थी, आरोप है कि सीनियर अधिकारियों ने अपने पद का इस्तेमाल करके एक नए, दूसरे इंस्पेक्टर इंगले को इंस्पेक्टर का पद दे दिया, जिसे कोई अनुभव नहीं था। इस डिवीजन के अधिकार क्षेत्र में अंधेरी, डी. एन. नगर, वर्सोवा और जोगेश्वरी नाम के चार पुलिस स्टेशन आते हैं। साथ ही, यह डिवीजन लगभग 150 लाइसेंस वाली जगहों को कंट्रोल करता है। इसलिए, इस पोस्ट की जिम्मेदारी बहुत जरूरी मानी जाती है। मनोहर जरियाल ने अपनी शिकायत में कहा है कि इस पोस्ट के लिए एक अनुभवी अधिकारी उपलब्ध होने के बावजूद, उसे रिजेक्ट कर दिया गया है और एक नए अधिकारी को नियुक्त किया गया है। इसके पीछे एक बड़े फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन का भी शक जताया गया है। चूंकि संबंधित पोस्ट 'मलाईदार' मानी जाती है, इसलिए उन्होंने आरोप लगाया है कि इसके लिए सीनियर लेवल पर ट्रांजैक्शन किया गया था। शिकायत में यह भी कहा गया है कि विभाग के दूसरे अनुभवी सेकेंडरी इंस्पेक्टरों, खासकर श्री धूमल को रिजेक्ट कर दिया गया है। यह भी कहा गया है कि 'आर', 'टी', 'यु' फ्लाइंग स्क्वॉड के इंस्पेक्टरों को भी इस मौके से वंचित किया गया है। मनोहर जरियाल ने मांग की है कि इस मामले की पूरी जांच के बाद संबंधित नियुक्ति को तुरंत रद्द किया जाए और एक योग्य, अनुभवी अधिकारी को नियुक्त किया जाए। इस बीच, इन गंभीर आरोपों ने राज्य एक्साइज डिपार्टमेंट के कामकाज पर सवाल खड़े कर दिए हैं, और सभी का ध्यान इस ओर गया है कि प्रशासन इस संबंध में क्या रुख अपनाता है।

एनएआर-इंडिया ने मुंबई में आयोजित उच्च-प्रभावशाली राष्ट्रीय सम्मेलन के बाद की नई नेतृत्व टीम की घोषणा

मुंबई। देशभर के रियल एस्टेट ट्रांजैक्शन एडवाइजर्स का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष संस्था एनएआर-इंडिया ने मुंबई में आयोजित अपने वार्षिक सम्मेलन के सफल समापन के बाद अपनी नई राष्ट्रीय नेतृत्व टीम की घोषणा की। इस कार्यक्रम ने 3000 करोड़ से अधिक के व्यावसायिक सौदों को गति दी और भारत में संगठित रियल एस्टेट ब्रोकरेज के बढ़ते प्रभाव को और मजबूत किया। अपने प्रकार के सबसे बड़े आयोजनों में से एक के रूप में स्थापित इस सम्मेलन में देशभर से 1,800 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें रियल्टर्स, डेवलपर्स, निवेशक, वित्तीय संस्थान, रिटेलर्स और कॉर्पोरेट ऑक्यूपायर्स शामिल थे। इस व्यापक भागीदारी का परिणाम वास्तविक स्तर पर सौदों, रणनीतिक साझेदारियों और आवासीय, वाणिज्यिक तथा रिटेल क्षेत्रों में विभिन्न बाजारों के बीच सहयोग के रूप में सामने आया। यह कार्यक्रम एक उच्च-मूल्य वाले व्यावसायिक मंच के रूप में सामने आया, जहां संरचित बी2बी बैठकों, प्रोजेक्ट प्रस्तुतियों और निवेश संबंधी चर्चाओं ने ठोस परिणाम दिए। रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा ग्रुप और आदित्य बिरला ग्रुप जैसे प्रमुख कॉर्पोरेट समूहों ने बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट अवसरों का सक्रिय रूप से अन्वेषण किया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि तेज और अधिक पारदर्शी लेनदेन सुनिश्चित करने के लिए संगठित ब्रोकरेज नेटवर्क के साथ काम करने में संस्थागत रुचि लगातार बढ़ रही है।

इस सम्मेलन की एक विशेषता उद्योग के विविध विचारों और थॉट लीडरशिप का समावेश भी रही। डॉ. निरंजन हीरानंदानी और हफीज कॉन्ट्रैक्टर जैसे दिग्गजों द्वारा संचालित विचारोत्तेजक सत्रों के साथ-साथ बोमन ईरानी, सज्जी ढोलकीअया और जया किशोरी जैसी हस्तियों के प्रेरणादायक संबोधनों ने इस आयोजन को व्यवसाय, नीति और मानवीय दृष्टिकोण का संतुलित मंच प्रदान किया, जिससे कार्यक्रम की प्रतिष्ठा और भी बढ़ी। एरिया ग्रुप द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को 45 सदस्यों की आयोजन टीम ने सफलतापूर्वक संचालित किया, जिसने राष्ट्रीय सम्मेलन के आगामी संस्करणों के लिए एक मजबूत मानक स्थापित किया। नई नेतृत्व टीम में चेयरमैनः सुमंत रेड्डी, वाइस चेयरमैन एवं ग्लोबल एम्बेसडरः तरुण भाटिया, इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट अमित चोपड़ा, प्रेसिडेंट चंद्रेश विठलानी, प्रेसिडेंट-इलेक्ट आशीष मेहता, सीईओ समीर अरोरा, वाइस प्रेसिडेंट्स अरविंद गुप्ता, रामकुमार जाकिर भाटी, संतोष अवलाकी, मानद सचिव चेतन चोपड़ा, संयुक्त सचिव सोनिया सचदेवा, आयोजन सचिव एपमेश, निदेशक क्षेत्र, पूर्व अभिमन्यु मोदी, दक्षिण सिवलिंगम एम्मोस, पश्चिम उदयन माने, मध्य बृजेश पटेल, सुमंत रेड्डी, चेयरमैन, एनएआर-इंडिया, ने कहा कि इस सम्मेलन ने यह प्रदर्शित किया कि विभिन्न हितधारकों के बीच गहरा सहयोग सीधे तौर पर व्यापार की गति, बेहतर विश्वास और विभिन्न बाजारों में अधिक संरचित डील फ्लो में परिवर्तित हो रहा है। चंद्रेश विठलानी, प्रेसिडेंट, एनएआर-इंडिया, ने कहा कि इस सम्मेलन का पैमाना, विविधता और इसके परिणाम भारत में एक अधिक संगठित, पारदर्शी और पेशेवर रूप से संचालित ब्रोकरेज इकोसिस्टम की ओर स्पष्ट बदलाव का संकेत देते हैं।

आशीष मेहता, प्रेसिडेंट-इलेक्ट एवं इवेंट चेयर, एनएआर-इंडिया, ने कहा यह सम्मेलन केवल चर्चाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने स्पष्ट मापनीय परिणाम दिए हैं। भागीदारी का स्तर, संवाद की गुणवत्ता और उत्पन्न हुए व्यवसाय की मात्रा यह स्पष्ट दर्शाती है कि उद्योग अब सहयोग और लेन-देन के तरीके में एक बड़ा बदलाव देख रहा है। हमने यहां केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक उच्च-प्रभाव वाला व्यावसायिक मंच तैयार किया है, जो आगे भी इकोसिस्टम के सभी हितधारकों के लिए अवसरों का निर्माण करेगा और विकास को गति देगा। नवीन नेतृत्व और कार्यक्रम के साथ बनी मजबूत गति के साथ, एनएआर-इंडिया भारत के रियल एस्टेट ब्रोकरेज क्षेत्र के व्यावसायिकरण और विकास को तेजी देने के लिए बेहतर स्थिति में है।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी संबंधित विभाग सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों पर बनाए गए अवैध कट को तत्काल बंद कराने के निर्देश दिए तथा इसकी प्रगति की समीक्षा भी की। इसके साथ ही उन्होंने यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने, ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर आवश्यक सुधार कार्य कराने, सड़क संकेतक एवं चेतावनी बोर्डों को सुदृढ़ करने तथा ओवरलोडिंग एवं तेज गति पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु समन्वित प्रयास किए जाएं और सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें, जिससे जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, सहित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

नगर अध्यक्ष प्रदीप कुमार कमलापुरी पिंकू नें फीता काट कर किया जुलूस को रवाना

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामनवमी के अवसर पर देर शाम श्रीराम सीता की शोभायात्रा निकाली गयी। यह शोभायात्रा हाशमी नगर के रामजानकी मंदिर से उद्घोष के साथ भव्य आकर्षक झांकी निकाली गयी। घोड़ों के साथ निकली इस शोभायात्रा में मां काली, भोलेशंकर, हनुमान, भगवान गणेश की रथों पर सजी भव्य आकर्षक झांकी देखने? को लोग घरों से निकल पड़े। नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रदीप कुमार कमलापुरी ३पिंकू३ ने मंत्रोच्चार के बीच फीता काट कर जुलूस को रवाना किया।

जब शोभायात्रा निकली तो ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जैसे यह रामनगरी अयोध्या में लंका विजय के बाद श्रीराम का आगमन हो रहा हो। हजारों की संख्या में लोग जब भगवा पहनकर जय श्री राम के नारों के साथ सड़को पर उतरे तो नगर भक्तिमय माहौल में झूम उठा। युवा हो या बुजुर्ग या हो महिलाएं, हर किसी का उत्साह देखने लायक था। इस शोभायात्रा में हर वर्ग के शमिल हुए बच्चों में अनोखा ही उत्साह था।

शोभायात्रा में बैंड बाजे गाजे के साथ हाशमी नगर से प्रारंभ होकर, हनुमान मंदिर से होते हुए काली माता मंदिर, शेखजादा से वापस नरहन होते हुए पुनः रामजानकी मंदिर के पास समाप्त हो गयी। सुरक्षा व्यवस्था हेतु थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार पाण्डेय भारी पुलिस बल के साथ शोभायात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में लगे रहे। तहसील अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र कसौधन,अमृष उपाध्याय, यूवा नेता अवतार सोनकर, पूर्व सभासद मनोज कुमार कमलापुरी, दयाराम गुप्ता, सभासद राजेश साहू, रामनौमी के अध्यक्ष हर्ष गुप्ता, संरक्षक सावन सोनकर, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

माटुंगा स्थित लक्ष्मन बाईत फाउंडेशन के तरफ से रामनवमी का आयोजन संपन्न

-राजकुमार अग्रहरि

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। मुंबई स्थित सुंदर कमला नगर भाऊदाजी रोड माटुंगा पूर्व में दिनांक 26 मार्च 2026 को रामनवमी के पावन अवसर पर लक्ष्मन बाईत फाउंडेशन के तरफ से रामनवमी बड़े धूमधाम से मनाया गया। जिसमें मुख्य रूप से वडाला विधानसभा के विधायक कालीदास कोलम्बकर, भाजपा मुंबई प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह , आशिष सलास्कर (भाजपा वर्किंग कमेटी) उपस्थित थे। जिला अध्यक्ष श्रीकांत थेवर, कैलाश पिल्लाई , अनील मांडेकर मंडल अध्यक्ष गणेश बाइत, सचिव सुरेन्द्रन कुंन्नीकन्नन के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

अमेय लटके बने युवा सेना अंधेरी पूर्व के विभाग प्रमुख

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) ने संगठन को और अधिक मजबूत व सक्रिय बनाने के उद्देश्य से अमेय रमेश लटके को युवा सेना, अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र का विभाग प्रमुख नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे की अनुशंसा पर युवा सेना के अध्यक्ष एवं विधायक आदित्य ठाकरे द्वारा की गई। अपनी नियुक्ति पर अमेय रमेश लटके ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जिस विश्वास और जिम्मेदारी के साथ यह पद सौंपा गया है, उस पर वे पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन के जनाधार को मजबूत करने और युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने के लिए वे पूरी मेहनत करेंगे। लटके की नियुक्ति पर प्रलेश सावंत, विनोद तिवारी, दीपक विश्वकर्मा, नागेश चैरसिया, विश्वम्भर मल्लाह, शत्रुघ्न पटेल, सूरज तिवारी, नितेश चौरसिया, राहुल विश्वकर्मा, सुजीत रजक, स्वप्नील मोरे, आशुतोष तिवारी, पप्पू चौरसिया और राजू तिवारी सहित कई कार्यकताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

जिला स्तरीय उद्योग बन्धु बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न औद्योगिक एवं स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष में निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति की जानकारी दी गई। साथ ही लाभार्थियों को ऋण वितरण एवं स्वीकृति की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत अधिक से अधिक ऋण वितरित किया जाए ताकि अधिक से अधिक युवाओं को स्वरोजगार से आच्छादित किए जा सके। बैठक में निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से उद्यमियों को प्रदान की जा रही सेवाओं की समीक्षा की गई। अवगत कराया गया कि जनपद के उद्यमियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किए गए हैं, जिनमें से अधिकांश का निस्तारण किया जा चुका है, जबकि शेष लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। द्योग क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं जैसे विद्युत आपूर्ति, सड़क निर्माण, जल निकासी, हाईमास्ट लाइट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग आदि मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। संबंधित विभागों द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकांश कार्य प्रगति पर हैं तथा शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में साफ-सफाई, कूड़ेदान की व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट एवं आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा जनपद में उद्योगों के विकास हेतु सकारात्मक वातावरण बनाए रखा जाए।

कौशांबी में पूर्व प्रधान की गोली मारकर हत्या, गांव में दहशत

कौशांबी। कौशांबी उत्तरशक्ति जिले से सनसनीखेज वारदात सामने आई है. शनिवार की भोर पूर्व प्रधान बादाम सिंह की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी. सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है.

जानकारी के अनुसार, घटना पिपरी थाना क्षेत्र के औधन गांव की है. बताया जा रहा है कि बादाम सिंह वर्ष 2010 से 2015 तक औधन गांव के प्रधान रह चुके थे. इन दिनों वह गांव के बाहर एक गौशाला का निर्माण करा रहे थे. शुक्रवार रात वह अपने साथी बुधराम के साथ उसी निमार्णाधीन गौशाला में ठहरे हुए थे.शनिवार की सुबह अज्ञात हमलावर वहां पहुंचे और बादाम सिंह पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दिया. गोली लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इस हमले में उनके साथी बुधराम को मामूली चोटें आई हैं. घटना की सूचना मिलते ही पिपरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने घायल बुधराम को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया है, ताकि घटना से जुड़ी अहम जानकारी मिल सके. वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. इस वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है. पुलिस इलाके में छानबीन कर रही है और हमलावरों की तलाश तेज कर दी गई है. पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के मुताबिक, अज्ञात हमलावरो ने पूर्व प्रधान बादाम सिंह के ऊपर फायरिंग कर हत्या कर दी है. वह अपनी नई डेरी बना रहे थे. वहीं पास उनकी हत्या की गई है. मामले में परिजनों से तहरी लेकर आवश्यक विधि कार्रवाई की जा रही है. पुलिस को कुछ अहम सुराग लगे हैं, जिस पर कार्य किया जा रहा है. जल्दी पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा.

पेट्रोल, डीजल और गैस के मुद्दे पर अफवाह फैला कर देश में अव्यवस्था पैदा कर रहे हैं विपक्षी दल: देवेन्द्र फड़वीस

मुंबई। वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी ने कहा है कि देश में पेट्रोल डीजल और घरेलू गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और लोगों को जरा भी घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आज एक बयान में कहा कि विपक्षी दल के लोग अफवाह फैला कर देश में अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं इसलिए ऐसे तत्वों से सावधान रहने की जरूरत है। उधर सरकार ने भी बृहस्पतिवार को कहा कि देश के पास लगभग 60 दिनों का ईंधन भंडार है और पेट्रोल, डीजल या रसोई गैस (एलपीजी) की कोई कमी नहीं है। सरकार ने ईंधन की कमी की खबरों को 'जानबूझकर फैलाया गया गलत सूचना अभियान' बताया, जिसका उद्देश्य लोगों में दहशत पैदा करना है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि देश भर के सभी पेट्रोल पंप पर पर्याप्त स्टॉक है और वे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। पेट्रोल या डीजल की कोई राशनिंग नहीं की जा रही है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों के परिशोधन के मामले में दुनिया में चौथे और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक भारत, घरेलू ईंधन की उपलब्धता को संरचनात्मक रूप से सुनिश्चित करता है और 150 से अधिक देशों को परिष्कृत ईंधन की आपूर्ति करता है। बयान के अनुसार, "प्रत्येक भारतीय रिफाइनरी (जो कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में परिवर्तित करती है) 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर चल रही है।" अगले 60 दिन के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। आपूर्ति में कोई कमी नहीं है।" इसमें कहा गया है कि भारत के पास कुल 74 दिन की कच्चे तेल और ईंधन भंडारण क्षमता है। मंत्रालय ने कहा, "पश्चिम एशिया संकट के 27वें दिन भी, हमारे पास अभी लगभग 60 दिन का वास्तविक भंडार (जिसमें कच्चे तेल का भंडार, उत्पाद भंडार और रणनीतिक भंडारण शामिल है) है।" बयान के अनुसार, "वैश्विक स्तर पर चाहे जो भी हो, प्रत्येक भारतीय नागरिक की जरूरतों को पूरा करने लिए लगभग दो महीने की स्थिर आपूर्ति उपलब्ध है।" मंत्रालय ने कहा कि दो माह की कच्चे तेल की खरीद पहले ही सुनिश्चित होने की वजह से अगले कुछ माह तक भारत के लिए समस्या नहीं है और ऐसी आपूर्ति की स्थिति में रणनीतिक भंडारण में रखी मात्रा का महत्व गौण हो जाता है। बयान के अनुसार, "देश में भंडार के समाप्त या अपर्याप्त होने के किसी भी दावे को पूरी तरह से खारिज कर देना चाहिए।" मंत्रालय ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव के बावजूद कच्चे तेल की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। जो भी व्यवधान उत्पन्न हो रहा है, उसकी भरपाई वैकल्पिक स्रोतों से अधिक आपूर्ति के जरिये हो रही है। भारतीय रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से अधिक पर काम कर रही हैं और अगले 60 दिन के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। बयान के अनुसार, घरेलू उत्पादन में वृद्धि और आयात आवश्यकताओं में कमी के कारण एलपीजी की आपूर्ति भी पर्याप्त है। कई देशों से अतिरिक्त कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं, जिससे निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है। सरकार ने चेतावनी दी, "सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट और कमी या आपातकालीन उपायों के मनगढ़ंत दावे अनावश्यक चिंता पैदा करने के लिए फैलाए जा रहे हैं। इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।"

जौनपुर में पुलिस व्यवस्था होगी और मजबूत, 1500 नए आरक्षियों की तैनाती से बदलेगा कानून-व्यवस्था का चेहरा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर में पुलिस व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी (डीआईजी स्तर) ने पुलिस कार्यालय और पुलिस लाइन का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कई अहम जानकारियां साझा कीं।

अधिकारी ने पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली का जायजा लिया और उपलब्ध संसाधनों व उनके रखरखाव की सराहना की। उन्होंने बताया कि थानों को आधुनिक तकनीक और नए उपकरणों से लैस किया जा रहा है, जिससे कार्यक्षमता में सुधार होगा।

पुलिस बल में बड़ा इजाफा

अधिकारी ने बताया कि आगामी 20 अप्रैल के आसपास नए प्रशिक्षु आरक्षियों की पासिंग आउट परेड प्रस्तावित है। इसके बाद जनपद को करीब 1500 नए आरक्षी मिलेंगे, जिससे पुलिस बल की संख्या वर्तमान से लगभग डेढ़ गुना हो जाएगी।

हालिया आपराधिक घटनाओं पर उन्होंने कहा कि अधिकांश मामलों का पुलिस ने सफल अनावरण कर दिया है। शेष मामलों के लिए थाना अध्यक्षों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

जनता की शिकायतों पर सख्त रुख

सीयूजी नंबर न उठने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारी ने स्वीकार किया कि व्यस्तता के कारण ऐसा हो सकता है, लेकिन सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे समय पर फोन उठाकर जनता की मदद सुनिश्चित करें।

आगे भी जारी रहेगा निरीक्षण

अधिकारी ने बताया कि पुलिस बल में वृद्धि के बाद गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा। साथ ही वे स्वयं भी विभिन्न थानों का निरीक्षण करेंगे ताकि जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सके।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता एवं सहायक पुलिस अधीक्षक श्रृष्टि जैन मौजूद रहीं।

अल्पसंख्यक सभा में निकहत अफरोज खान को राष्ट्रीय सदस्य की जिम्मेदारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी ने श्रीमती निकहत अफरोज खान (निवासी झ किला गेट के निकट, बलुआघाट, सदर जौनपुर) को समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय सदस्य नियुक्त किया है। जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार, उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संगठन में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा अल्पसंख्यक समाज के बीच पार्टी की नीतियों और विचारधारा को प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व ने भरोसा जताया है कि निकहत अफरोज खान अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगी। यह नियुक्ति मौलाना मोहम्मद इकबाल कादरी द्वारा जारी की गई है।

फेनेस्टा ने हजारीबाग में पहले शोरूम के साथ झारखण्ड में अपनी मौजूदगी को बनाया सशक्त

हजारीबाग। दरवाजों और खिड़कियों के लिए भारत के नंबर 1 ब्राण्ड फेनेस्टा ने हजारीबाग में दूसरे शोरूम के लॉन्च के साथ झारखण्ड में अपने रीटेल नेटवर्क को और मजबूत बना लिया है। अलाइड एंटरप्राइजेज द्वारा संचालित यह शोरूम ओकनी रोड़, हजारीबाग पर स्थित है, और बेहतरीन परफोर्मेन्स वाले विंडोज एवं डोर्स के लिए उपभोक्ताओं का पसंदीदा गंतव्य बन जाएगा। नया लॉन्च किया गया शोरूम यूपीवीसी, एलुमिनियम विंडोज एवं डोर्स, सोलिड पैनल डोर और फॉसेड्स के व्यापक पोर्टफोलियो के साथ आधुनिक रिहायशी एवं कमर्शियल स्पेसेज के लिए बेहतरीन डिजाइन, फिनिश वाले प्रोडक्ट्स लेकर आएगा। आज के दौर में इमारतों में आधुनिक लुक, मजबूती और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाता है, इसी को ध्यान में रखते हुए यह शोरूम घर के मालिकों, आर्कीटेक्ट्स एवं डेवलपर्स को यह समझने का मौका देगा कि किस तरह फेनेस्ट्रेशन समाधान फंक्शनेलिटी एवं आर्कीटेक्चर दोनों में योगदान दे सकते हैं।

रेल मंत्री से उनके अपने मारवाड़ की उम्मीदें ही टूटने लगीं, लोग नाराज

* मारवाड़ से नई ट्रेनें नहीं चलाने से वैष्णव का मारवाड़ प्रेम सवालों के घेरे में

जोधपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मारवाड़ इलाके से होने के बावजूद मारवाड़ के लोगों रेल सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं और इसी कारण लोगों के असंतोष अब नाराजगी का रूप ले रहा है। क्योंकि मारवाड़ के प्रति रेलमंत्री का लगाव तनिक भी नहीं दिख रहा है। मारवाड़ के कम से कम 1 करोड़ से ज्यादा लोग देश के पश्चिमी और दक्षिणी प्रदेशों में रहते हैं और मारवाड़ निवासी होने के कारण रेल मंत्री वैष्णव इस तथ्य को अच्छी तरह समझते हुए भी लोगों के लिए नई ट्रेनें शुरू नहीं कर रहे हैं, इस वजह से लोग नाराज है।

मारवाड़ इलाके के जोधपुर, नागौर, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा, जालोर, पाली, सिरोही जिलों के लगभग 1 करोड़ लोग रोजगार और व्यवसाय के लिए गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में रहते हैं। इन राज्यों से मारवाड़ के बीच रोजाना भारी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। इसके लिए कई बार पाली जिले के मूल निवासी रेल मंत्री वैष्णव से मांग के बावजूद दक्षिण भारत के लिए सीधी और पर्याप्त रेल सेवाओं का अभाव आज भी एक बड़ी समस्या बना हुआ है। सांसद

राजेन्द्र गहलोत, नीरज डांगी, मदन राठौड़, उम्मेदाराम बेनीवाल, पीपी चौधरी और लुंबाराम चौधरी ने भी रेल मंत्री को मारवाड़ के लोगों की भावना से अवगत कराया है, उसके बावजूद मारवाड़ रेल विकास से वंचित है। सामाजिक और नागरिक संगठनों का कहना है कि जोधपुर, पाली, नागौर, बाड़मेर और जालोर जैसे प्रमुख शहरों से दक्षिण भारत के बड़े शहरों, जैसे बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और कोच्चि के लिए सीधी ट्रेनों की संख्या बेहद सीमित है। कई यात्रियों को आज भी अहमदाबाद या मुंबई जाकर ट्रेन बदलनी पड़ती है, जिससे समय और लागत दोनों बढ़ जाते हैं और परेशानियां भी उठानी पड़ती है। सिरोही, पाली, बाड़मेर, बालोतरा और जालोर इलाके के लोग सबसे ज्यादा दक्षिण भारत में हैं, और वे ही सबसे ज्यादा परेशान है। रेल कनेक्टिविटी की कमी न केवल यात्रियों को प्रभावित कर रही है, बल्कि व्यापार और उद्योग पर भी इसका असर पड़ रहा है। मारवाड़ का हस्तशिल्प, कपड़ा और कृषि उत्पाद दक्षिण भारत के बाजारों में बड़ी मांग रखते हैं, लेकिन बेहतर लॉजिस्टिक्स और परिवहन सुविधाओं के अभाव में इनका विस्तार सीमित रह जाता है।

स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं का आरोप है कि रेल मंत्री राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि मजबूत करने में व्यस्त रहते हुए अपनी मातृभूमि की बुनियादी जरूरतों की अनदेखी कर रहे है। जबकि मारवाड़ जैसे प्रवासी-आधारित क्षेत्र के लिए बेहतर कनेक्टिविटी अत्यंत आवश्यक है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह मुद्दा बड़ा राजनीतिक विषय भी बन सकता है। मारवाड़ के लोगों ने जिस उम्मीद के साथ अपने क्षेत्र के प्रतिनिधि को देश का रेल मंत्री बनते देखा था, अब वही उम्मीदें जवाब मांग रही हैं।फिलहाल, मारवाड़ के लोग बेहतर रेल सुविधाओं की मांग को लेकर आवाज उठा रहे हैं और देखना यह होगा कि आने वाले समय में भारतीय रेल इस क्षेत्र की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतर पाता है। रेल मंत्री के रूप में, रामविलास पासवान, लालू यादव और नीतीश कुमार ने बिहार, एबीए गनी खान चौधरी और ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल, सीके जाफर शरीफ ने कर्नाटक और मधु दंडवते एवं सुरेश प्रभु ने महाराष्ट्र में रेल विकास की गंगा बहाई और अपनी मातृ भूमि का ख्याल रखा। लेकिन अश्विनी वैष्णव को रेल मंत्री के नाते मारवाड़ का ख्याल नहीं रखने की रत्ती भर भी चिंता नहीं है, इसे आश्चर्य की नजर से देखा जा रहा है।

छयतनूर विधानसभा में भाजपा-एनडीए उम्मीदवार के साथ रणनीतिक बैठक

केरल। केरल राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक गतिविधियाँ तेज हो गई हैं। इसी क्रम में छयतनूर विधानसभा क्षेत्र के लिए भाजपा-एनडीए के आधिकारिक उम्मीदवार बी. बी. गोपकुमार से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने भाग लिया। उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों एवं शक्ति केंद्र प्रमुखों के साथ मिलकर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की तथा आगामी प्रचार अभियान की विस्तृत रणनीति पर चर्चा की। बैठक के दौरान बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, जनसंपर्क अभियान को गति देने और मतदाताओं तक सरकार की नीतियों को प्रभावी ढंग से पहुँचाने पर विशेष जोर दिया गया। राजन नाईक ने कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि संगठित प्रयासों से पार्टी निश्चित रूप से बेहतर प्रदर्शन करेगी। इस रणनीतिक बैठक को छयतनूर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा-एनडीए के चुनाव अभियान के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।